हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 259, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 7 मार्च, 2022 दिन सोमवार गाजीपुर/वाराणसी

कोरोना वैक्सीनेशन से भारत ने दुनिया को दिखाया अपना सामर्थ्य

सिम्बायोसिस यूनिवर्सिटी के स्वर्ण जयंती समारोह में बोले प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज पुणे के एक दिवसीय दौरे पर हैं। पुणे में पीएम ने आज कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इस दोरान पीएम पीएम ने यहां सिम्बायोसिस यूनिवर्सिटी के स्वर्ण जयंती समारोह के उद्घाटन समारोह को संबोधित भी किया। मोदी ने कहा कि पुणे में रहने वाले लोग अच्छी तरह जानते हैं कि कोरोना वैक्सीनेशन को लेकर भारत ने किस तरह पूरी दुनिया के सामने अपना सामर्थ्य दिखाया है। पीएम ने कहा कि लोग यूक्रेन संकट के समय भी देख रहे हैं कि कैसे आपरेशन गंगा चलाकर भारत अपने नागरिकों को युद्ध क्षेत्र से सुरक्षित बाहर निकाल रहा है। पीएम ने आगे कहा कि सिम्बायोसिस ऐसा विश्वविद्यालय है जहां वसुधैव कुटुम्बकम पर अलग से एक कोर्स है। उन्होंने कहा कि ज्ञान का व्यापक प्रसार हो, ज्ञान पूरे विश्व को एक परिवार के रूप में जोड़ने का माध्यम बने, ये हमारी संस्कृति रही है और इसे आज भी जारी देख खुशी होती है। बता दें कि इससे पहले पीएम ने पुणेवासियों को मेट्रो का तोहफा दिया। मेट्रो रेल परियोजना के

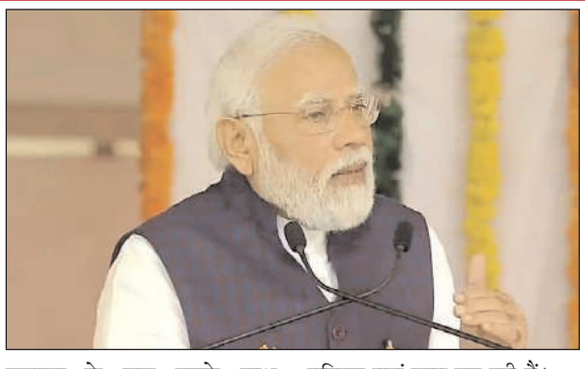

उद्घाटन के वक्त उनके साथ राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस भी मौजूद रहे। पीएम ने यात्रा के समय मेट्रो में मौजूद बच्चों से बात भी की और सफर के बारे में पूछा। समारोह में बोलते हुए पीएम ने कहा कि भारत अब दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट-अप इकोसिस्टम आज हमारे देश में है। पीएम ने आगे कहा कि मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग में भी भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश बनकर उभरा है। सात साल पहले भारत में सिर्फ 2 मोबाइल मैन्यूफैक्चरिंग कंपनियां थीं, आज 200 से ज्यादा मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट्स यहां काम कर रही हैं।

पीएम ने सिम्बायोसिस आरोग्य धाम का शुभारंभ किया- पुणे पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी ने सिम्बायोसिस आरोग्य धाम का शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सिम्बायोसिस अपने स्वर्ण जयंती के मुकाम तक पहुंचा है और इस यात्रा में अनेक लोगों का योगदान होता है। उन्होंने कहा कि इस सफर में उन छात्रों का भी बड़ा योगदान है जिन्होंने यहां से पढ़कर सिम्बायोसिस के विजन को अपनाया और अपनी सफलता से सिम्बायोसिस को पहचान दी।

पुणे ने एजुकेशन और आइटी सेक्टर में बनाई मजबूत पहचान- एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा कि पुणे ने एजुकेशन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट, आईटी और ऑटोमोबिल के क्षेत्र में भी अपनी पहचान निरंतर मजबूत की है। मोदी ने कहा कि आधुनिक सुविधाएं पुणे के लोगों की जरूरत हैं और हमारी सरकार पुणेवासियों की इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए काम कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बीच बनेर में निर्मित 100 ई-बसों और ई-बस डिपो का भी शुभारंभ किया। पीएम ने उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार का प्रयास है कि हर शहर में ज्यादा से ज्यादा ग्रीन ट्रांसपोर्ट, इलेक्ट्रिक बसें, इलेक्ट्रिक कारें और इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन हों। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार का फोकस है कि हर शहर में स्मार्ट मोबिलिटी हो जिसके लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट में एक ही कार्ड के इस्तेमाल को लाने का काम किया जा रहा है। बता दें कि इस कार्ड का फायदा यह होगा कि लोग इससे मेट्रो और बस दोनों में सफर कर सकेंगे। पीएन ने अपने संबोधन में कहा कि 2014 तक सिर्फ दिल्ली-NCR में ही मेट्रो का व्यापक विस्तार हुआ था।

दो उड़ानों से यूक्रेन से 336 भारतीयों की हुई वतन वापसी

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के बीच वहां फंसे भारतीयों को सुरक्षित स्वदेश लाने के लिए सरकार की ओर से ऑपरेशन गंगा चलाया जा रहा है। इसके तहत विमानों के जरिए भारतीय छात्रों और अन्?य लोगों को भारत लाने का काम किया जा रहा है। इस बीच शनिवार देर

रात रोमानिया के बुखारेस्ट से 182 भारतीयों को लेकर एक स्पेशल फ्लाइट मुंबई आई है। सभी भारतीय यूक्रेन से रोमानिया पहुंचे और वहां से फ्लाइट में सवार हुए। इसके अलावा रविवार तड़के एक स्पेशल फ्लाइट 154 भारतीयों को लेकर स्लोवाकिया से नई दिल्ली पहुंची है। इस फ्लाइट में आए भारतीयों का स्वागत केंद्रीय राज्य मंत्री भगवंत खुबा ने किया। यूक्रेन में रूस के हमलों के कारण हालात तेजी से बिगड़े हैं। वहां फंसे भारतीयों को सुरक्षित निकालने का काम युद्धस्तर पर किया जा रहा है।

यूक्रेन मुद्दे पर निरपेक्षता की नीति छोड़ रूस के विरुद्ध आगे आए भारत

नई दिल्ली। एक तरफ यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध चल रहा है, दूसरी ओर सोशल मीडिया पर अलग जंग छिड़ी है। यूक्रेन मामले पर भारत ने किसी का पक्ष नहीं लिया है। पश्चिमी देश चाहते हैं कि भारत रूस के खिलाफ खड़ा हो। उसने यह बात आधिकारिक तौर पर तो नहीं कही, मगर दूसरी तरह से ऐसा दबाव बना रहा है। कुछ दिन पहले एक ब्रिटिश पत्रकार ने संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्टैंड की आलोचना की थी।

एक ब्रिटिश सांसद को लगा कि यूके भारत को जो 55.3 मिलियन पौंड की मदद देता है, वह बंद कर देनी चाहिए। दोनों ने अपने जज्बात सोशल मीडिया पर जाहिर किए हैं। इस पर भारतीयों ने उन्हें ऐसा घेरा कि उन्होंने चुप्पी साध ली। बात यहीं नहीं रुकी। अब यूजर्स खोद-खोदकर यूके का काला चिट्ठा सामने रख रहे हैं। अंग्रेजों को याद दिलाया जा रहा है कि उन्होंने भारत जैसे कई देशों को लूटकर अपना खजाना भरा है, इस लिए उन्हें ज्यादा इतराना नहीं चाहिए।

ट्विटर पर एक पोस्ट वायरल हो रही है, जिसमें ब्रिटिश म्यूजियम की तुलना भारत के चोर बाजारों से की गई है। इसी के नीचे एक और मीम है, जिसमें चोर बाजार को 144 पिक्सेल और ब्रिटिश म्यूजियम को 4के रेजोल्यूशन बताया गया है। तंज अंग्रेजों पर जिन्होंने उपनिवेशों को जमकर लूटा और अपना खजाना भरते गए। एक और टाइमलेस ट्वीट है जो अक्सर भारतीयों और अंग्रेजों के बीच किसी भी बहस में आ जाता है।

वह क्या चीज है जो ब्रिटिश लगती है पर है नहीं ब्रिटिश म्यूजियम में रखी चीजें। कुछ यूजर्स ने कहा कि ब्रिटिश म्यूजियम को गूगल मैप्स पर 'चोर बाजार' के नाम से टैग करना चाहिए। आप भी देखिए कैसे ट्विटर पर हो रही है इंग्लिश प्राइड की धुलाई। भारत को अंग्रेजी हुकूमत से आजाद हुए 75 साल होने को हैं। 200 साल तक गुलामी की जंजीरों में जकड़ा रहा भारत साल-दर-साल दरिद्र होता गया। कारण- अंग्रेजों की बंपर लूट। मशहूर कोहिनूर हीरा अंग्रेजो के कब्जे में है। अंग्रेजों ने भारत से कितना लूटा, इसे लेकर एक स्टडी हुई थी। एक आंकड़ा दिया गया कि अंग्रेज भारत से 45 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की संपत्ति लूट ले गए। यह बस भारत से लूटी गईं चीजों के अनुमानित दाम हैं। अंग्रेजों ने बहुत सारे और देशों पर भी राज किया और उन्हें कंगाल बनाकर छोड़ा।

ब्रिटिश म्यूजियम में क्या-क्या भारतीय है इसकी बात करें तो भगवान हरिहर की प्रतिमा, सुल्तानगंज बुद्ध, टीपू सुल्तान की निजी वस्तुएं, महाराण रणजीत सिंह का मुकुट, शाहजहां का शराब का प्याला, अमरावती मार्बल्स, होजला कलाकृतियां, प्राचीन भारत की कई प्रतिमाएं, ऐतिहासिक महत्व की अन्य बेशकीमती चीजें, दुर्लभ पेंटिंग्स, दुर्लभ और महंगे जवाहरात आदि। भारत ने रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध में किसी का पक्ष नहीं लिया है।

अमृतसर में बीएसएफ हेडक्वार्टर में जवान ने चलाई ताबड़तोड़ गोलियां, 4 साथियों की जान लेकर की सुसाइड

अमृतसर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के हेडक्वार्टर खासा से रविवार सुबह बुरी खबर आई है। बीएसएफ 144वीं बटालियन के एक कांस्टेबल ने अपने ही साथियों पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दी। घटना में 4 जवानों की मौत हो गई, जबकि

कुछ अन्य घायल हो गए। साथियों पर हमले के बाद जवान ने खुद को भी गोली मार ली। उसे गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां कुछ देर बाद उसकी भी मौत हो गई। आरोप है कि जवान से ज्यादा ड्यूटी ली जा रही थी। उसकी पहचान महाराष्ट्र के रहने वाले सतेप्पा एसके के रूप में बताई जा रही है। घटना के बाद खासा में दहशत का माहौल है। बीएसएफ ने कोर्ट औफ इन्क्वायरी के आदेश दे दिए हैं।

जान गंवाने वाले जवानों के नाम

हेड कांस्टेबल विनोद निवासी बिहार

हेड कांस्टेबल तोरास्कर डीएस निवासी महाराष्ट्र

हेड कांस्टेबल रतन सिंह, निवासी जम्मू-कश्मीर

हेड कांस्टेबल बलजिंदर सिंह, पानीपत हरियाणा

लगातार ड्यूटी से परेशान होने की बात सामने आ रही- पता चला है कि सतेप्पा से पिछले कुछ दिनों से लगातार ड्यूटी ली जा रही थी। इस बात से वह काफी परेशान हो गया था। शनिवार को उसकी बीएसएफ के एक बड़े अधिकारी से बहस भी हुई थी, लेकिन राहत कोई नहीं मिली ' रविवार की सुबह सतेप्पा ड्यूटी पर तैनात था। गुस्से में आकर उसने अपनी राइफल से गोलियां चलानी शुरू कर दी ' गोलियां चलने की आवाज सुनकर अन्य जवानों ने इधर-उधर भागना शुरू कर दिया ' लगभग 9 लोगों को गोलियां लगी' कई जवान घायल बताए जा रहे हैं ' दो जवानों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और दो अन्य ने अस्पताल ले जाते हुए दम तोड़ा। घटना के बारे में पता चलते ही पुलिस और बीएसएफ के आला अधिकारी मौका ए वारदात पर पहुंच गए। घायलों को तुरंत एक निजी अस्पताल में दाखिल करवाया गया है।

रूस में मास्टर कार्ड और वीजा ने सस्पेंड की सेवाएं

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन युद्ध के बीच पश्चिमी देशों की कंपनियां रूस और यूक्रेन से अपना कारोबार समेट रही हैं। रूस पर लगे कई तरह के आर्थिक प्रतिबंधों के बाद कई कंपनियों ने देश में अपने कारोबार को लेकर एक रिव्यू किया है और कारोबार समेटने या अस्थायी तौर पर सर्विसेज बंद करने की घोषणा की है। इसी बीच मास्टरकार्ड और वीजा ने रूस में अपने ऑपरेशन्स सस्पेंड करने का ऐलान किया है। यह रूस के फाइनेंशियल सिस्टम के लिए एक बड़ा झटका है। मास्टरकार्ड ने कहा कि रूसी बैंक द्वारा इश्यू किए गए मास्टर कार्ड अब उसके नेटवर्क को सपोर्ट नहीं करेंगे। इसके साथ ही रूस के बाहर किसी और देश में इश्यू किए गए कार्ड रूस के स्टोर या एटीएम में काम नहीं करेंगे। मास्टर कार्ड ने एक स्टेटमेंट जारी कर कहा कि हम इस फैसले को हल्के में नहीं लेते हैं। कंपनी ने कहा कि ग्राहकों, भागीदारों और सरकारों से बातचीत के बाद यह फैसला किया गया है। वीजा ने कहा कि वह आने वाले दिनों में रूस में सभी वीजा ट्रांजैक्शन्स को बंद करने के लिए अपने क्लाइंट्स और भागीदार के साथ मिलकर काम कर रहा है। वीजा के चेयरमैन अल केल्ली ने एक बयान में कहा है कि बिना

किसी उकसावे के यूक्रेन पर रूस के हमले और सामने आए कई अस्वीकार्य डेवलपमेंट्स के बाद हम ये फैसला लेने के लिए बाध्य हुए। दुनियाभर के कई अन्य देशों ने यूक्रेन पर हमले को लेकर रूस और वहां के लोगों पर वित्ती दबाव बढ़ा दिया है। केली ने कहा कि इस युद्ध और शांति एवं स्थिरता के लिए पैदा हुए मौजूदा जोखिम की वजह से हमने अपने वैल्यूएज के हिसाब से जवाब दिया है।

बीमा कंपनियों पर भी पड़ रहा जलवायु परिवर्तन का असर

नई दिल्ली। चक्रवाती तूफानों और प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती घटनाओं की वजह से भारतीय बीमा क्षेत्र को भारी क्षति का सामना करना पड़ा है। आने वाले समय में इसमें और वृद्धि की आशंका है। हाल में जारी आईपीसीसी की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। इसमें कहा गया है कि जलवायु परिवर्तन का असर भारत में कई क्षेत्रों पर पड़ सकता है। वैश्विक बीमा उद्योग से प्राप्त जलवायु प्रकटीकरणों की वर्ष 2020 की समीक्षा के मुताबिक, भारतीय बीमा कंपनियां अपने वैश्विक साथियों में से सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली कंपनियों में शामिल हैं। जिसकी वजह उनके जलवायु जोखिमों से जुड़े ज्यादा वादों का सामना करना भी है।

क्लाईमेट ट्रेंड्स के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2021 में महाराष्ट्र में बीमा क्षेत्र सहित लघु, बड़े एवं मध्यम उद्योगों की जलवायु जोखिमशीलता आकलन सर्वे में खुलासा हुआ है कि करीब आधे उद्योग यह महसूस करते हैं कि कारोबार मॉडल और योजना का फिर से आकलन करने की जरूरत है। वहीं, एक तिहाई से ज्यादा ने पूंजी को हुए नुकसान के लिए जलवायु परिवर्तन को दोषी माना। हर 10 में 6 उद्योग जलवायु से खतरे को खत्म करके एक कामयाब जोखिम-अंतरण तथा

मूल्य निर्धारण प्रणाली विकसित करना चाहते हैं, जो बाहरी पर्यावरण के अनुकूल हो। वैश्विक बीमा उद्योग से प्राप्त जलवायु प्रकटीकरणों की वर्ष 2020 की समीक्षा के मुताबिक, भारतीय बीमा कंपनियां अपने वैश्विक साथियों में से सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली कंपनियों में शामिल हैं। जिसकी वजह उनके जलवायु जोखिमों से जुड़े ज्यादा वादों का सामना करना भी है। क्लाईमेट ट्रेंड्स के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2021 में महाराष्ट्र में बीमा क्षेत्र सहित लघु, बड़े एवं मध्यम उद्योगों की जलवायु जोखिमशीलता आकलन सर्वे में खुलासा हुआ है कि करीब आधे उद्योग यह महसूस करते हैं कि कारोबार मॉडल और योजना का फिर से आकलन करने की जरूरत है। वहीं, एक तिहाई से ज्यादा ने पूंजी को हुए नुकसान के लिए जलवायु परिवर्तन को दोषी माना।

राज्यपाल ने छोड़ा सदन तो भाजपा-शिवसेना ने बढ़ी तनातनी ओछी राजनीति कर रहे कोश्यारी: शरद पवार

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी नेता शरद पवार ने महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी पर हमला बोलते हुए कहा कि उनके कामों में भाजपा की नीचले दर्जे की राजनीति नजर आती है। पवार का यह बयान तब आया है जबकि 3 मार्च को बजट सेशल की शुरूआत से पहले राज्यपाल कोश्यारी विधानसभा छोड़कर चले गए थे। सदन में नेताओं ने नारेबाजी शुरू कर दी और इसके बाद राज्यपाल नाराज होकर वहां से चले गए। इस घटना के बाद से महाविकास अघाड़ी और भाजपा के बीच तनातनी बढ़ गई है और आपस में आरोप प्रत्यारोप का सिलसिला जारी है। एनसीपी, शिवसेना और कांग्रेस ने पीएम मोदी और राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से राज्यपाल के इस रवैये पर कार्रवाई करने की मांग की है। पवार ने कहा, 'महाराष्ट्र के गवर्नर के रूप में मैंने कई महान लोगों को देखा है जिसमें श्री प्रकाश और पीसी अलैक्जेंडर शामिल हैं। इसी सूची में भगत सिंह कोश्यारी का नाम भी जुड़ गया है। वह निचले दर्जे की राजनीति का उदाहरण बन गए हैं। कई बार उन्होंने राज्य सरकार के लोकतांत्रिक अधिकारों का भी हनन किया है। बीते वर्ष उन्होंने 12 एमएलसी बनाए जो कि केंद्र सरकार के इशारे पर बनाए गए थे। शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा कि राज्यपाल भाजपा के स्टेट यूनिट के प्रेसिडेंट की तरह काम कर रहे हैं। केंद्र को उन्हें वापस बुला लेना चाहिए और महाराष्ट्र में दूसरा राज्यपाल नियुक्त करना चाहिए। ऐसे लोगों की वजह से लोकतंत्र और स्वतंत्रता की छवि धूमिल हो जाती है। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महाविकास अघाड़ी के कुछ नेता राज्यपाल को टारगेट कर रहे थे। राज्यपाल संविधान के मुताबिक ही काम कर रहे थे लेकिन राज्य सरकार ऐसा नहीं कर रही थी। भाजपा विधायक अतुल भातखलकर ने कहा कि संजय राउत और ठाकरे को राज्यपाल पर निशाना साधने की जगह अपने राज्य में किसानों की हालत पर गौर करना चाहिए।

पूरी दुनिया को प्रभावित करेगा यूक्रेन संकट, भारत रूस के साथ तेजी से बढ़ा सकता है कारोबार : डेनिस अलीपोव

नई दिल्ली। रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने कहा कि यूक्रेन में मौजूदा संकट का भारत-रूस संबंधों सहित पूरी दुनिया पर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मौजूदा संकट के प्रभाव किस तरह लोगों को प्रभावित करेंगे, अभी इसकी कल्पना नहीं की जा सकती। साथ ही, रूसी राजदूत ने कहा कि भारत रूस के साथ आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए स्थिति का लाभ उठा सकता है, क्योंकि रूस के पश्चिमी भागीदारों ने इसके साथ सहयोग करने से इनकार कर दिया है। रूस के राजदूत ने कहा कि मौजूदा स्थिति ने भारतीय कारोबारों को रूस में अपनी उपस्थिति के विस्तार का अवसर प्रदान किया है। रूसी दूतावास ने अपने ट्विटर हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें राजदूत की टिप्पणी है। अलीपोव ने कहा इस संकट का भारत-रूस संबंधों समेत पूरी दुनिया पर असर पड़ेगा। यह किस हद तक नजर आएगा, इस बारे में कोई कुछ नहीं कह सकता। उन्होंने कहा हमारा मानना है कि हमारे संबंध दोनों देशों के हितों में विकसित हो रहे हैं और वे रणनीतिक प्रकृति के हैं। लेन-देन के मामलों में भी इसका प्रभाव पड़ सकता है। भारत-रूस संबंधों पर पश्चिमी प्रतिबंधों के संभावित प्रभाव का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा राष्ट्रीय मुद्राओं में परस्पर समाधान के लिए एक द्विपक्षीय तंत्र पहले से ही काम कर रहा है। एकमात्र सवाल यह है कि इसे व्यापक पैमाने पर कैसे इस्तेमाल किया जाए। राजदूत ने सुझाव दिया कि तंत्र के व्यापक उपयोग से

प्रतिबंधों के प्रभाव को कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा भारतीयों के लिए इस स्थिति का लाभ उठाना और अधिक सक्रिय रूप से रूसी बाजार में प्रवेश बेहतर होगा, जब कई पश्चिमी भागीदारों ने हमारे साथ सहयोग करने से इनकार कर दिया। अलीपोव ने कहा कि भारतीय व्यवसायों के लिए अवसर के समान है। यह भारत के लिए रूस के साथ सहयोग पर करीब से गौर करने का भी अवसर है। राजदूत ने भारत की स्वतंत्र विदेश नीति के लिए भी सराहना की। उन्होंने कहा कि हमने बार-बार कहा है कि हम भारत की स्वतंत्र विदेश नीति और अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में उसकी भूमिका और प्रभाव को मजबूत करने का स्वागत करते हैं। यूक्रेन पर सैन्य आक्रमण के लिए रूस के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र में लाए गए निंदा प्रस्ताव से भारत ने दूरी बनाए रखा है। अलीपोव ने कहा हमने उन पर (भारत) कभी कोई दबाव नहीं डाला और जैसा कि आप जानते हैं, कोई शर्त नहीं रखी है। भारतीय अब अमेरिका में भारी दबाव में हैं। यूक्रेन में संघर्ष क्षेत्रों से फंसे भारतीयों को निकालने पर रूसी राजदूत ने कहा कि उनकी सरकार यूक्रेन के पूर्वी शहरों खारकीव, सुमी और पिसोचिन से भारतीयों को बाहर निकालने की पूरी कोशिश कर रही है। अलीपोव ने दावा किया कि खारकीव में लगभग 3,000 भारतीय, पिसोचिन में लगभग 900 और सुमी में 670 भारतीय फंसे हुए हैं। हालांकि, शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि खारकीव और पिसोचिन से भारतीयों का सुरक्षित निकाले जाने की प्रक्रिया लगभग पूरी हो गई है।

अफगानिस्तान को 2000 टन गेहूं भेजेगा भारत

नई दिल्ली। भारतीय गेहूं की गुणवत्ता की अफगानिस्तान द्वारा तारीफ किए जाने का जिक्र करते हुए भारत ने कहा कि इस युद्ध प्रभावित देश को मानवीय सहायता के तौर पर पाकिस्तान की सीमा के जरिए वह 4,000 टन गेहूं भेज चुका है। आठ मार्च को 2,000 टन अनाज की तीसरी खेप भेजी जाएगी। भारत ने कहा कि भारत ने अफगानिस्तान को पाकिस्तान के स्थल मार्ग के माध्यम से 125 करोड़ रुपये मूल्य का कुल 50,000 टन गुणवत्तापूर्ण गेहूं पहुंचाने का संकल्प किया है। यह अनाज अफगानिस्तान के लोगों के बीच वितरण के लिए संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी विश्व खाद्य कार्यक्रम को दिया जाएगा। खाद्य मंत्री पीयूष गोयल ने ट्वीट किया, मानवता सबसे ऊपर है। भारतीय किसानों को धन्यवाद कि भारत मानवीय सहायता के तौर पर गुणवत्तापूर्ण गेहूं अफगान में लोगों को आपूर्ति कर पाया है। भारत अपने मित्रों के साथ व्यवहार करना जानता है। खाद्य सचिव सुधांशु पांडे ने बाद में डिजिटल संवाददाता सम्मेलन में कहा, अफगानिस्तान को भारत से 'बहुत अच्छी' सहायता मिली है। गेहूं की पहली खेप 22 फरवरी को भेजी गई थी। मार्च के आखिर तक 10,000 टन अनाज भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि बाकी 40,000 अनाज 2000-2000 टन कर भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि 50000 टन गेहूं की पूरी मात्रा एक महीने या उससे अधिक समय में पहुंचाई जाएगी। उनका कहना था कि इस साल आठ, 14 और 20 मार्च को पाकिस्तान सीमा होते हुए 2,000-2,000 टन गेहूं भेजा जाएगा। अफगानिस्तान में तालिबान का कब्जा होने के बाद कई बार तालिबानी नेताओं के साथ पाकिस्तान की करीबी सामने आई है। वहीं मानवीय भावना का ध्यान रखते हुए कई देश अपने स्तर पर वहां के नागरिकों की मदद भी कर रहे हैं। भारत और पाकिस्तान ने भी अफगानिस्तान को गेहूं दिया था।

चिंतन मनन

रेलवे का कवच

भारतीय रेलवे के सुरक्षा इतिहास में शुक्रवार 5 मार्च का दिन नई इबारत लिखने वाला साबित हुआ। दो ट्रेनों को चंद मीटर के फासले से एक दूसरे से भिड़ने से रोक दिया गया। दरअसल यह रेलवे की नई स्वदेशी सुरक्षा तकनीक कवच के दम पर हुआ। इस इतिहास के साक्षी खुद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव बने। कवच ने सामने से आ रही ट्रेन की भिड़ंत से पूर्व रेल मंत्री की ट्रेन को 380 मीटर पहले ही रोक दिया। तेलंगाना के सिकंदराबाद में ट्रेनों के बीच कवच का परीक्षण किया गया। एक ट्रेन के इंजन पर रेल मंत्री वैष्णव सवार थे तो सामने से आ रही दूसरी ट्रेन में रेलवे बोर्ड के चेयरमैन व अन्य बड़े अधिकारी। यह परीक्षण सनत नगर-शंकरपल्ली खंड पर किया गया। कवच ऐसी स्वदेशी तकनीक है, जिसके इस्तेमाल से दो ट्रेनों की टक्कर रोकी जा सकेगी। यह दुनिया की सबसे सस्ती रेल सुरक्षा तकनीक है। जीरो ट्रेन एक्सीडेंट के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए इस कवच का विकास किया गया है। यह स्वदेश में विकसित स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली है। कवच को एक ट्रेन को स्वतः रोकने के लिए बनाया गया है। जब डिजिटल सिस्टम को रेड सिग्नल या फिर किसी अन्य खराबी जैसी कोई मैन्युअल गलती दिखाई देती है, तो इस तकनीक के माध्यम से संबंधित मार्ग से गुजरने वाली ट्रेन अपने आप रुक जाती है। इस तकनीक को लागू करने के बाद इसके संचालन में 50 लाख रुपए प्रति किलोमीटर का खर्च आएगा। यह दूसरे देशों की तुलना में बहुत कम है। दुनिया भर में ऐसी तकनीक पर करीब दो करोड़ रुपए खर्च आता है। इस तकनीक में जब ऐसे सिग्नल से ट्रेन गुजरती है, जहां से गुजरने की अनुमति नहीं होती है तो इसके जरिए खतरे वाला सिग्नल भेजा जाता है। लोको पायलट अगर ट्रेन को रोकने में विफल साबित होता है तो फिर कवच तकनीक के जरिए से अपने आप ट्रेन के ब्रेक लग जाते हैं और हादसे से ट्रेन बच जाती है। इस तकनीक के अमल की घोषणा बजट में की गई थी। आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत दो हजार किलोमीटर के रेलवे नेटवर्क को कवच तकनीक के दायरे में लाया जाएगा। अब तक, दक्षिण मध्य रेलवे की चल रही परियोजनाओं में कवच को 1098 किमी से अधिक मार्ग और 65 इंजनों पर लगाया जा चुका। यह तकनीक दिल्ली-मुंबई और दिल्ली हावड़ा कॉरिडोर पर लागू करने की योजना है। इस रूट की लंबाई करीब 3000 किलोमीटर है। केंद्र सरकार ने साल 2017 में एम-कवच ऐप को लॉन्च किया था। इससे यात्रियों को काफी सुरक्षा मिलेगी। बजट में रेल मंत्रालय को 140367.13 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं जो पिछले वित्त वर्ष से 20,311 करोड़ रुपए अधिक है। रेलवे ने दावा किया है कि इस कवच को ट्रेन में लगाने के बाद ट्रेनों के हादसे तकरीबन शून्य हो जाएंगे। कवज का पहला फील्ड ट्रायल फरवरी 2016 में शुरू किया गया था और मई 2017 में इसे पूरा कर लिया गया था। इसके बाद थर्ड पार्टी के द्वारा इसकी सुरक्षा का आकलन कराया गया। इसके बाद तीन फर्म को को आरडीएसो ने इसे तैयार करने के लिए चुना। पहले चरण में 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली ट्रेनों के लिए इसे फाइनल किया गया बाद में इसे 160 किलोमीटर प्रति घंटे से चलने वाली ट्रेनों के लिए फाइनल किया गया। कवच प्रणाली मौजूदा सिग्नलिंग सिस्टम के साथ संपर्क बनाये रखता है तथा इसकी जानकारी परिचालन से जुड़े प्राधिकृत व्यक्तियों को निरंतर साझा करता रहता है। यह प्रणाली किसी भी आपात स्थिति में स्टेशन एवं लोको ड्राइवर को तत्काल कार्रवाई के लिए सचेत करने साइड-टक्कर, आमने-सामाने की टक्कर एवं पीछे से होने वाली टक्करों की रोकथाम करने में पूर्णतः सक्षम है । इसके साथ ही यह सिस्टम रोल बैक एवं फॉरवर्ड और रिवर्स मूवमेंट की स्थिति में लगातार सचेत करता है। साथ ही समपार फाटकों की जानकारी स्वचालित सिटी के माध्यम से प्रदान करता है।

लोकतंत्र बलवान!

बड़ी जिम्मेदारी थी ।
हो रहा सम्पन्न ।।
पहुंचे अब करीब ।
मन हुआ प्रसन्न ।।
पूरा है निभाया ।
था सबका सहयोग ।।
काम में मशगूल था ।
अपना भी आयोग ।।
है करनी तारीफ ।
सही से निपटाया ।।
शायद ये तरीका ।
है सबको भी भाया ।।
पर्व हुआ ये खत्म ।
लोकतंत्र बलवान ।।
है आगे अब करना ।
जनादेश सम्मान ।।

–कृष्णेन्द्र राय

सिर्फ दिवस मनाने तक ही क्यों सीमित रह गया हमारा समाज

एडवोकेट नमिता झा

प्रखर वाराणसी। हर साल 8 मार्च को विश्व महिला दिवस मनाया जाता है ताकि महिलाओं के मान-सम्मान, घर-परिवार, समाज और देश में उनकी भूमिका को रेखांकित किया जा सके। महिलाओं की दशा और दिशा पर लच्छेदार भाषण, नारे, स्त्रियों को लक्ष्मी, सरस्वती, दूर्गा स्वरूप न जाने कितने विभूषण से अंलकृत किया जाता है। समाज व सरकार की इस कोशिश की भूरि-भूरि प्रशंसा करनी चाहिए, क्योंकि गाँधी और गौतम की धरा पर अगर स्त्री की पूजा न हो तो नारी की महानता का कोई औचित्य नहीं पर जिस देश को आजाद हुए 75 बरस हो गए हो वहां स्त्रियों की स्थिति में कितना सुधार हुआ कितनी तब्दीली आई, इस पर गौर करने की जरूरत हैं। देश को आजाद हुए 75 साल हो गए, पर महिलाओ की स्थिति कोई क्रांतिकारी परिवर्तन नहीं हुआ। ग्रामीण इलाको में आज महिलाओं की दशा ज्यादा चिंतनीय हैं। शहरी क्षेत्रो में स्थिति थोड़ी ठीक हैं। शिक्षा के क्षेत्र में महिलाएं ज्यादा हैं, महिलाएं देश का निर्माण करती हैं, बच्चो को शिक्षा व संस्कार आखिर महिलाएं ही देती हैं। महिलाए जहां रहती हैं वहाँ भ्रष्टाचार अमूमन कम होता हैं। ईश्वर ने स्त्रियों की काया को सुंदर और मन को भी सुंदर बनाया पर आदिकाल से स्त्री के साथ ज्यादती होती आ रही हैं। महिलाओं के प्रति पुरूष प्रधान समाज अपनी मानसिकता नही बदलता। समाज में सुरक्षा व्यवस्था ठीक नही हैं। कानून तो अच्छे बने हैं, पर क्रियान्वयन ठीक नही होता हैं,स्त्रियों को समझना चाहिए कि आजादी का मतलब स्वच्छंदता नही हैं। महिलाओं को भी मयार्दा में रहना चाहिए। आजादी के सात दशक बाद भी महिलाओ की दशा में कोई खास तब्दीली नहीं आई, जो स्थिति पहले थी, आज भी लगभग वही हैं कहने को महिलाओ के जीवन में सुधार की बात कही जाती हैं, किंतु हकीकत में ऐसा कुछ नही दिखता, महिलाओं की सुरक्षा को लेकर, गर्भ में बेटी सुरक्षित नहीं, फिर इससे ज्यादा और क्या कहा जा सकता हैं।

लचर कानून व्यवस्था आज भी चिंता का विषय- समाज का दोहरा चरित्र तो जग जाहिर हैं, उपर से नीम चढ़े करेला कानून-व्यवस्था। महिलाएं सुरक्षित चल नहीं सकती। फिर कैसा सुधार ? समानता का दर्जा केवल सरकारी किताबों तक ही सीमित हैं। न्याय प्रणाली की बात करें तो न्यायालय में महिलाओं से जुड़े मामलों लंबे समय तक सिर्फ फाइलों में बंद होकर इस टेबल से उस टेबल तक वर्षों घूमती रह जाती हैं। त्वरित न्याय नहीं मिल पाने के कारण कई बार अपनी सब्र की बांध तोड़कर गलत कदम उठाने पर विवश हो जाती जो हमारे समाज और सरकार के लिए एक अभिशाप हैं। खाकी का भी महिलाओं के साथ गलत रवैया एक चिंता की लकीर खिंचती है। महिला सुरक्षा और न्याय पर महिला हेल्प डेस्क तो खोल दिया गया पर उसका क्रियान्वयन सही तरीकों से नहीं होना एक सवाल पैदा करता है। अक्सर सुनने में आता कि जब भी कोई लाचार महिला अपनी शिकायत लेकर थाने पर जाती तो उसके ही चरित्र पर कई संगीन सवाल उठाकर उसे शर्मिंदा किया जाता है। लोक-लाज की भय से वह न्याय की चौखट से वापस आकर बदहाली में जीने को विवश होती जिसपर विचार करना चाहिए। जबतक न्याय प्रणाली में जल्द से जल्द महिलाओं से जुड़ी मुद्दों का निस्तारण नहीं होगा तबतक महिलाएं इस समाज में खुद को असहज ही महसूस करेगी।

दुनिया बदली, मानसिकता नहीं- कहने को समाज में स्त्री-पुरूष के बीच भेद खत्म हो रहा हैं, किन्तु सच्चाई ये हैं कि दुनिया बदली, पुरूष प्रधान समाज की मानसिकता नही, आज भी महिलाओ की दशा वैसी ही हैं, समाज चाहता तो हैं कि नारी आगे बढ़े, किंतु नारी को उसके वजूद का अहसास पुरूष समाज करातें रहता हैं, नारी की जिंदगी एक दायरे में पहले भी सिमटी हुई थी, आज भी सिमटी हैं, केवल महिला दिवस मनाने मात्र से नारी के समान नही मिलता, हां इतना जरूर हैं कि महिला वर्ग भी अपनी सीमा को पहचाने, मयार्दा के भीतर तरक्की करे। भारतीय नारी की शालीनता ही उसकी खास पहचान हैं, महिलाएं अपने विवेक से काम करें। अच्छाई- बुराई की पहचान करें। अपनी सुरक्षा को लेकर खुद सतर्क रहें तो उन्हे उनके ईमान से कोई नही डिगा सकता हैं। तरक्की के रास्ते महिलाओं को खुद तय करना होगा, तभी हम कहेगें कि महिलाएं जागरूक हैं वरना यं समाज अपनी प्रवृत्ति के अनुसार आचरण करता रहेगा, महिलाएं खुद आत्मनिर्भर बने। कुल मिलाकर देखा जाए तो समाज में महिलाओं की दशा में कोई खास सुधार नहीं हुआ, इसका प्रमुख कारण पुरूष प्रधान समाज की मानसिकता और लचर कानून व्यवस्था है। समाज दरअसल, दोहर चरित्र जी रहा हैं, स्त्रियों को समानता दिलाने की बातें बेमानी हैं, एक कड़वा सच तो यह भी है कि पुरूष प्रधान समाज में स्त्री की आजादी को आज भी बिल्कुल नहीं स्वीकारा जाता। आज महिलाएं कहीं भी महफूज नहीं, जब बेडि?ां बंधी हो तो स्त्री कैसे आगे बढ़े? जब भी स्त्री किसी भी फील्ड में आगे बढ़ती हैं तो सबसे पहले उसके चरित्र पर सवाल उठाए जाते हैं, ऐसा क्यों? महिला वर्ग भी इस बात को समझे कि आजादी का मतलब स्वच्छंदता न हो, मयार्दा स्त्री पुरूष सभी के लिए जरूरी हैं। सीमा का ध्यान सभी को रखना चाहिए, क्योकि हमारी संस्कृति और हमारे संस्कार ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी हैं, ये बात और हैं कि मेरी तरक्की में मुझे परिवार का पूरा सपोर्ट मिला, लेकिन , ऐसे कितने परिवार हैं, जहां लड़कियों को आगे बढ़ने का मौका मिलता है, लड़किया घर से बाहर निकली नहीं कि तरह-तरह के ताने, छींटाकशी, उपहास, मजाक शुरू हो जाते हैं, समाज का यही दोहरा चरित्र स्त्री के विकास में बाधक हैं, स्त्री न घर में सुरक्षित , न बाहर, लड़की जाति को गर्भ में मार दिया जा रहा हैं, आखिर क्यों ? बेटियों और महिलाओं से जुड़ी आज भी ऐसे कई सवाल है जो अपने समाज से बार बार पूछ रही है...!

तोप के मुहाने पर खड़ी मानव सभ्यता और कमजोर पड़ते मानवीय मूल्य

साहिर लुधियानवी की एक नज्म है कि, "खून अपना हो या पराया हो; नस्ल-ए-आदम का खून है आखिर। जंग मशरिक में हो कि मगरिब में, अम्न-ए-आलम का खून है आखिर।।" वर्तमान दौर में ये पंक्तियां एकदम सटीक बैठती हैं, क्योंकि जिस दौर में आज हम जी रहें हैं या कहें मानव सभ्यता जिस तरफ बढ़ रही है। उस मौजूदा हालात को देखकर यही अंदेशा लगाया जा रहा है कि दुनिया तीसरे विश्व युद्ध की तरफ बढ़ रही है। दुनिया में अमन चैन जैसे शब्द अब बेमानी से लग रहे हैं। अभी चंद समय पहले ही दुनिया कोरोना जैसी वैश्विक महामारी के भयाभय दौर से गुजरी है। एक ऐसी महामारी जिसका कोई इलाज नहीं, चंद पलों में ही लोगो ने अपनो को दम तोड़ते देखा है और ये किसी एक राष्ट्र की तस्वीर नहीं थी, बल्कि सम्पूर्ण विश्व में इस महामारी के चलते जो मौत का तांडव हुआ उसे भला कौन भूल सकता है? देखा जाए तो इस महामारी के जख्म अभी भरे भी नहीं है कि दुनिया तीसरे विश्व युद्ध की तरह बढ़ चली है। कोरोना महामारी ने विश्व को यह आईना जरूर दिखाया कि भले भी कोई देश कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो? भले ही परमाणु बम और अणुबम पर इतरा लें और महाशक्ति होने का गुमान क्यों न हो? लेकिन जब कोई महामारी मौत बनकर आती है। फिर 2022 में भी उसे सहजता के साथ टाला नहीं जा सकता है। इतना ही नहीं कोरोना काल में न सिर्फ अर्थव्यवस्था के पहिये लड़खड़ाये, बल्कि उल्लेखनीय बात है कि इस दौरान इंसान तक का मनोबल डगमगा गया। लोग डर के माहौल में जीने को मजबूर हो गए, लेकिन इस दौरान की जो एक विशेष बात रही। वह ये थी कि इस दौरान प्रकृति ने अपनी प्रवृत्ति नहीं बदली। ऐसे में दुनिया योग, प्राणायाम व शाकाहार की तरफ बढ़ी और आज इसी से प्रेरणा लेकर अमेरिका ने भी अपने 40 विश्व विद्यालयों में 'अहिंसा परमो धर्माः' का संदेश देते हुए सात्विक आहार से जुड़े पाठ्यक्रम को संचालित करने का निर्णय लिया है। जो न केवल कर्णप्रिय और सुकून देने वाला है, बल्कि एक सराहनीय पहल भी है। भले ही यह बहुत छोटी पहल हो पर अमेरिका जैसे देश का अहिंसा के प्रति झुकाव कई मायनों में अहम हो जाता है। पर मानव अपने स्वार्थ को त्याग दे यह भला कहाँ तक सम्भव है? आज यह कौन नहीं जानता कि युद्ध भले ही रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा हो, लेकिन इस युद्ध में अमेरिका का योगदान भी कम नहीं है। यूक्रेन को युद्ध के लिए उकसाने का काम अमेरिका ने ही किया है। इस युद्ध के अपने कई मायने है और इतना ही नहीं सबके अपने-अपने स्वार्थ भी है, लेकिन क्या युद्ध किसी भी समस्या का समाधान हो सकता है? नहीं ना!

अविश्वास, वर्चस्व व विस्तारवाद है हर युद्ध का कारण

आखिरकार पिछले कई महीनों से रूस व यूक्रेन के मध्य चल रही युद्ध की दुर्भाग्यपूर्ण आशंका हकीकत में बदल ही गयी। 1922 से लेकर 1991 तक यूनियन ऑफ सोवियत सोशलिस्ट रिपब्लिक अर्थात (वररफ) के रूप में एक साथ रहने वाले रूस व यूक्रेन का एक दूसरे देशों से ऐसा विश्वास उठ जायेगा कि दोनों देश युद्ध के उस मोड़ पर जा खड़े होंगे जहाँ से तीसरे विश्व युद्ध की चर्चा होने लगेगी,यह सोचा भी नहीं जा सकता था। परन्तु आज यह दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थिति दुनिया के सामने है। अक्सर ऐसा देखा गया है कि एक देश अथवा संघ के रूप में कभी साथ रहे ऐसे देश जब कभी भौगोलिक दृष्टि से अलग होते हैं तो किसी न किसी कारण उन्हीं देशों में परस्पर ऐसी रंजिश हो जाती है कि बात युद्ध की विभीषिका तक आ पहुँचती है। युद्ध नामक इस 'सामूहिक नरसंहार ' को भी समय समय पर अलग अलग नाम दिये जाते हैं। कभी यह तेल के लिये होने वाली लड़ाई बताई जाती है तो कभी इसे हथियार उत्पादक देशों द्वारा अपने हथियारों की बिक्री के लिये रचा गया चक्रव्यूह बताया जाता है। कोई इसे ईसाई -मुस्लिम के बीच छिड़ा सभ्यता का संघर्ष परिभाषित करता है तो कोई इसे रंग भेद की संज्ञा देता है। यहाँ तक कि कुछ लोग अभी से यह भी भविष्यवाणी करने लगे हैं कि भविष्य में पानी के लिये भी विश्व युद्ध हो सकता है।

युद्ध की विभीषिका का सामना करने वाले देशों में जब बच्चों,बुजुर्गों व लाचार महिलाओं की चीत्कार सुनाई देती है। उस समय जेहन यह सोचने के लिये मजबूर हो जाता है कि संयुक्त राष्ट्र में बैठे एक से बढ़कर एक बुद्धिजीवी,दुनिया का बड़े से बड़े 'थिंक' टैंक संगठन,दुनिया के देशों में शासन करने वाले तथाकथित रणनीतिकार व राजनीतिज्ञ, कूटनीज्ञ गोया स्वयं को दुनिया का सबसे संभ्रांत व अभिजात वर्ग समझने वाले 'सफेद पोश ' लोगों के पास किन्हीं दो देशों के बीच पैदा होने वाली किसी भी समस्या के समाधान के लिये आखिर युद्ध ही एकमात्र रास्ता क्यों बचता है? और यदि युद्ध ही किसी विवाद का एकमात्र हल है ऐसे में युद्ध में मारे जाने वाले लोग जिनकी युद्ध के लिये न तो सहमति होती है ,न ही वे युद्ध में हिस्सा ले रहे होते हैं,ऐसे साधारण नागरिकों को बम बारी का शिकार बनाना,पूरा देश तबाह कर देना,बसे-बसाये आबाद शहरों को खंडहर में तब्दील कर देना,इंसानों की लाशों को चील कौवों का शिकार बनने के लिये छोड़ देना,क्या यही सब डरावनी परिस्थितियां दुनिया के अभिजात्य वर्ग के हाथों में होने का परिणाम हैं ? दुनिया के कई देश तो वहां के 'सनकी' शासकों की जिद व उनकी हठधर्मिता की वजह से बर्बाद हो चुके हैं।

इसी तथाकथित 'अभिजात ' वर्ग की एक और 'वैश्विक स्तर' की चतुराई देखिये। जिन हथियारों से बेगुनाह निहत्थों को मारा जाता है वह हथियार भी इन्हीं निरीह लोगों के टैक्स के पैसों से बनाये या खरीदे जाते हैं। परन्तु दुनिया के चंद गिने चुने लोग इन्हीं हथियारों से जब और जहाँ चाहें लाखों करोड़ों लोगों को मारने का फैसला कर बैठते हैं। जनता के पैसों से हथियार ही नहीं बनाया या खरीदा जाता बल्कि युद्ध थोपने या युद्ध का निर्णय लेने वाले इस राजनैतिक व प्रशासनिक रणनीतिकारों का शाही खर्च,इनका सारा ऐश-ो-आराम,सभी सुविधायें भी जनता के टैक्स के पैसों से ही पूरी की जाती हैं ? प्रायः पूरी दुनिया में करदाताओं द्वारा टैक्स अपने अपने देश के विकास व प्रगति के लिये दिया जाता है। परन्तु अनेक देश इन्हीं पैसों का इस्तेमाल अपने देश के रक्षा बजट पर करते हैं। यदि कोई देश परमाणु संपन्न देश बन गया तो वह अपनी उसी 'नरसंहारक ' उपलब्धि पर इतराता फिरता है। वह अपने प्रतिस्पर्धी अथवा दुश्मन देशों को 'परमाणु ' बम की गीदड़ भपकी देता रहता है।

ताजातरीन रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर जो थ्योरी बताई जा रही है उसके अनुसार यूक्रेन को भरोसा था कि पश्चिमी देश विशेषकर अमेरिका 'नाटो' सदस्य देशों के साथ मिलकर उसकी मदद करेंगे। नेटो के महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने यह कहा भी है कि रूस ने यूरोप में शांति भंग कर दी है। परन्तु फिलहाल अमेरिका या नाटो की ओर से किसी तरह की सहायता यूक्रेन को नहीं पहुंची है। उल्टे रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने ही अमेरिका सहित नाटो देशों को चेतावनी दे डाली है कि वे दूर रहें अन्यथा परिणाम प्रलयकारी होंगे। नतीजतन यूक्रेन जो कि हर लिहाज से रूस के मुकाबले एक कमजोर देश है,को अकेले ही युद्ध की त्रासदी झेलना पड़ रही है। यूक्रेन के हजारों लोग अपनी जान बचाने के लिए पोलैंड, रोमानिया, हंगरी और स्लोवाकिया जैसे पड़ोसी देशों की ओर पनाह लेने के लिये जा रहे हैं। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदीमीर जेलेंस्की इस बात को लेकर भयभीत हैं कि राजधानी कीव पर रूस भीषण हमला कर सकता है। यूक्रेन में लोग पश्चिमी देशों की मदद की आस लगाये बैठे हैं। राजधानी कीव में हथियारों की दुकानों में बंदूक,गोलियां व अन्य शस्त्र समाप्त हो चुके हैं।

शैक्षणिक क्षेत्र की महिलाओं द्वारा राष्ट्रसेवा रुपी अध्यापन की जिम्मेदारियां, व्यवसाय नहीं अपितु व्रत है ! : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष

प्रस्तावना : युवा वर्ग भारत का आधारस्तंभ है । इस आधारस्तंभ को सुदृढ बनाने के लिए शिक्षकों का योगदान महत्त्वपूर्ण है । इसका कारण केवल शैक्षणिक अभ्यासक्रम पूर्ण करना ही नहीं, अपितु राष्ट्रीय चरित्र का निर्माण करना भी शिक्षकों का महत्त्वपूर्ण दायित्व है। आज अध्यापन क्षेत्र में महिलाओं की मात्रा अधिक है, तब भी अध्यापन की ओर सामान्यतः आराम की, अधिक छुट्टियों की एवं कम समय की नौकरी के रूप में देखा जाता है । इस दृष्टिकोण को बदलकर इसे एक व्रत के तौर पर शिक्षकों को इसके प्रति अपना दायित्व निभाना चाहिए । उसी में विश्वगुरु भारत का भविष्य है ।

विद्यार्थियों को मार्क्सवादी नहीं, अपितु सद्गुणी बनाना : आज शिक्षा क्षेत्र की स्थिति अत्यंत दयनीय हो गई है । विद्यार्थी रैट रेस (चूहा दौड अर्थात तीव्र प्रतियोगिता) में जी तोड कर सहभाग ले रहे हैं । माता-पिता की अपेक्षाओं का बोझ, अन्य विद्यार्थियों के साथ स्पर्धा, आरक्षण का भूत, नीरस अभ्यासक्रम जैसी अनेक समस्याओं से आज का विद्यार्थी तनावग्रस्त हो गया है । शिक्षा लेकर भी नौकरी मिलेगी, इसकी निश्चिती नहीं और शिक्षा का दैनंदिन जीवन में कुछ उपयोग होगा, ऐसी भी स्थिति नहीं है । ऐसी परिस्थिति में विद्यार्थियों को योग्य दिशा देने में शिक्षक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं । उसके लिए शिक्षकों को स्वयं सक्षम होना अत्यंत आवश्यक है । विद्यार्थियों को मार्क्सवादी नहीं, अपितु सद्गुणी बनाने की ओर शिक्षकों को ध्यान देना चाहिए। इसका कारण अच्छे मार्क्स विद्यार्थियों को अधिक से अधिक भौतिक सुख प्राप्त करवाने में सहायक होंगे; परंतु सद्गुणों की पूंजी उन्हें जन्म भर उपयोगी होगी । इन्हीं सद्गुणों के आधार पर विद्यार्थी भविष्य में अच्छा नागरिक बन सकता है ।

बच्चे अनुकरणप्रिय होने के कारण शिक्षकों को अपने वर्तन से ही आदर्श प्रस्थापित करना आवश्यक : नैतिक मूल्यों के वर्ग में विद्यार्थियों में सद्गुण निर्माण नहीं हो सकते । विद्यार्थियों को खरे अर्थ में सद्गुणी एवं संस्कारित करना हो, तो शिक्षकों को स्वयं संस्कारी एवं सद्वर्तनी होना आवश्यक है । मान लीजिए, शिक्षकों ने वर्ग लेकर समय के अनुपालन का महत्त्व बताया; परंतु प्रत्यक्ष में शिक्षक ही वर्ग के लिए देर से आते हैं, तो उस वर्ग का परिणाम होगा क्या ? बच्चे अनुकरणप्रिय होने से शिक्षक अपने वर्तन से ही विद्यार्थियों के समक्ष आदर्श प्रस्थापित कर सकते हैं। हाल ही में कर्नाटक के बिदर जिले की सरकारी विद्यालय के एक शिक्षक का विदाई समारोह का वीडियो सामाजिक प्रसार माध्यमों में प्रसारित हुआ था। उस शिक्षक को विदा करते समय अन्य अध्यापक, विद्यार्थी सहित विद्यालय के कर्मचारी भी सिसकियां लेकर रो रहे थे। अपने विद्यार्थियों का प्रेम ही उस शिक्षक की कमाई है। ऐसे शिक्षक आज दुर्लभ हैं। विद्यार्थियों के आगे अपना आदर्श रखना हो, तो शिक्षकों को भी स्वयं में गुण बढाने के लिए परिश्रम करना होगा। ऐसा करने की यदि शिक्षकों की तैयारी होगी, तो अच्छे विद्यार्थी क्यों नहीं बन पाएंगे ?

प्राचीन काल में भारत में गुरुकुल शिक्षाव्यवस्था प्रचलित थी । इसमें आचार्य विद्यार्थियों को सर्वांग से तैयार कर रहे थे । विद्यार्थियों के आचरण की ओर उनका ध्यान रहता था। गुरुकुल से तैयार होनेवाले प्रतिभासंपन्न विद्यार्थी राष्ट्र निर्माण में महत्त्वपूर्ण योगदान देते थे । वर्तमान में मेकॉलेप्रणित शिक्षाव्यवस्था में उसकी कमी है । विद्यार्थी झूठ बोलने वाले होंगे और किसी की नकल (कॉपी) करके परीक्षा में उत्तीर्ण हुए होंगे, तब भी आज की शिक्षा व्यवस्था केवल विद्यार्थियों का कागज पर मार्क्स को महत्त्व देती है । यह वर्तमान की शिक्षा प्रणाली की घोर असफलता ही है, तब भी शिक्षक कम से कम अपने अध्यापन के माध्यम से अच्छे आचरण का महत्त्व विद्यार्थियों पर अंकित कर सकते हैं ।

राष्ट्रभक्ति का संस्कार अंकित करना : आज देश के बुद्धिमान युवक भारी भरकम वेतन के लिए विदेश में जाकर नौकरी कर रहे हैं । आज विश्व भर के अनेक आस्थापन, इसके साथ ही संस्थाओं में उच्च पदों पर भारतीय वंश के व्यक्ति कार्यरत हैं । इन लोगों ने यदि भारत के विकास में योगदान दिया होता, तो आज देश का चित्र कुछ अलग ही होता । भारत से कुशाग्र बौद्धिक क्षमता के युवक अच्छे वेतन की नौकरी के लिए परदेश में जाने के पीछे राष्ट्रभक्ति की भावना का अभाव एक महत्त्वपूर्ण कारण है । यदि शिक्षक विद्यार्थियों पर राष्ट्रभक्ति के संस्कार करें, तो होनेवाली ब्रेन ड्रेन रोकी जा सकती है ।

देशप्रेम अंकित करनेवाली कृतियां : देशसेवा करने के लिए सीमा पर जाकर ही लडना है, ऐसा नहीं । स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग, राष्ट्रप्रतीकों का सम्मान करना, देश की संस्कृति का संवर्धन करना इत्यादि देशप्रेम अंकित करने के कृत्य हैं । देश के नियम पालना, हमें दिया गया काम प्रामाणिकता से और परिपूर्ण करना, यह भी एक प्रकार से देशसेवा ही है । इस प्रकार शिक्षक यदि विद्यार्थियों पर संस्कार करें, तो भविष्य में विद्यार्थियों के लिए उपयुक्त होंगे ।

विद्यालय-महाविद्यालयों में 15 अगस्त एवं 26 जनवरी, राष्ट्रीय त्योहार के रूप में मनाए जाते हैं। उस निमित्त विद्यार्थियों का प्रबोधन कर, उनमें देशप्रेम अंकित करने का प्रयत्न करना, क्रांतिकारियों का चरित्र पढने के लिए विद्यार्थियों को उद्युक्त करना, उनमें त्याग की भावना निर्माण होने के लिए प्रयत्न करना, राष्ट्रपुरुषों का गौरवशाली इतिहास सिखाना इत्यादि; यदि ऐसे प्रयत्न किए जाएं, तो विद्यार्थियों में देश प्रेम का बीज बोया जा सकता है। इसके लिए शिक्षकों को स्वयं में भी असीम राष्ट्रभक्ति अंकित करनी होगी।

प्रा. शिवाजीराव भोसले अपने व्याख्यानों से राष्ट्र- धर्म प्रेम अंकित करते थे। कुछ दशकों पूर्व तक गुरुजी अथवा शिक्षकों के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाता था । आज ऐसे शिक्षकों की मात्रा अल्प है। आर्य चाणक्य-चंद्रगुप्त मौर्य, गुरु शिष्य की इस जोडी ने उस काल में समर्थ राष्ट्र की निर्मिति की। वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में भी यदि शिक्षक रूपी आर्य चाणक्य निर्माण हुए, तो विद्यार्थी रूपी चंद्रगुप्त मौर्य क्यों निर्माण नहीं होंगे?

अनुशासन नहीं, अपितु प्रेमभाव आवश्यक : विद्यार्थियों को अच्छी आदतें लगाने के लिए केवल अनुशासन किसी उपयोग का नहीं, अपितु विद्यार्थियों पर पुत्रवत प्रेम भी करना आना चाहिए। अनुशासन से नहीं, अपितु प्रेम भाव से विद्यार्थियों को यदि अपना बना लें, तो उनमें अच्छे संस्कार डाल सकते हैं । शिक्षा क्षेत्र में कार्य करते समय हमें ध्यान रखना है कि हम निर्जीव यंत्रों को नहीं, अपितु मानवी मन को आकार दे रहे हैं । इन विद्यार्थी मनों को पुष्प बनाकर उन्हें भारत माता की सेवा में अर्पण करना है, ऐसा भाव रखकर यदि शिक्षक कार्यरत हो गए, तो देश की भावी पीढी सक्षम होगी ।

दिल्ली का गुड़ियाघर

बच्चों क्या आपने दिल्ली का गुडियाघर देखा है? दिल्ली के नेहरू भवन में स्थापित यह विशाल गुडियाघर आप बच्चों को चाचा नेहरू का उपहार है. इस गुडियाघर की शुरुआत तो प्रसिध्द कार्टूनिस्ट के शंकर पिल्लै ने की थी, उनकी कोशिशों के बिना गुडियाघर नहीं बन सकता था, पर चाचा नेहरू के भी प्रयासों के बाद आज ये संसार के मशहूर संग्रहालयों में गिना जाता है।

कार्टूनिस्ट शंकर नेहरू जी के साथ रहने वाले पत्रकारों के समूह में थे जब नेहरू जी प्रधानमंत्री थे। वे चाचा नेहरू के साथ देश विदेश जाते और वहां से तरह तरह की गुडियाएं इकट्ठी करते। जब उनके पास 500 गुडियां इकट्ठी हो गयीं तब उन्होंने उन्हें देश भर के बच्चों को दिखाना चाहा और उन्होने देश के कई स्थानों पर बच्चों के चित्रों के साथ इन गुडियों की प्रर्दशनियां भी आयोजित कीं। लेकिन इस प्रयास में उन्हें कई कठिनाईयों का सामना करना पडता था। बार बार बांधने, खोलने और यहां से वहां ले जाने में उन गुडियों की टूटफूट हो जाती जिससे शंकर को बहुत दुःख पहुंचता।

ऐसे ही एक बार चाचा नेहरू दिल्ली में उनकी प्रदर्शनी देखने बिटिया इंदिरा के साथ पहुंचे। तब शंकर ने गुडियों को हुए नुकसान के बारे में उन्हें बताया। तब चाचा नेहरू ने उन्हें सुझाव दिया कि क्यों न इन गुडियों का कोई स्थायी संग्रहालय बना दिया जाए। तब इसके बाद जब दिल्ली में चिल्ड्रन्स बुक ट्रस्ट के भवन का निर्माण हुआ तब उसका एक भाग गुडियाघर के लिये सुरक्षित कर दिया गया।

बहादुरशाह जफ़र मार्ग पर बने इस भवन में यह गुडियाघर 5185 वर्गफीट स्थान में फैला है, जो दो हिस्सों में बंटा है। हर 1000 फीट की लम्बाई में दीवारों पर 160 से ज्यादा कांच के केस बने हुए हैं। एक हिस्से में इंग्लैण्ड, अमेरिका, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड और अन्य यूरोपीय देशों की गुडियाएं प्रदर्शित की गई हैं, वहीं दूसरे हिस्से में ऐशियाई देशों, मध्यपूर्व, अफ्रीका तथा भारत की गुडियाएं सजा कर रखी गई हैं।

इस गुडियाघर की शुरुआत 1000 गुडियों से हुई थी आज यहां देर्शविदेश की 6500 गुडियाओं का संग्रह है। अगर आप दिल्ली जाएं तो इसे देखना न भूलना।

ऐसा स्कूल जहां छात्र सब्जियां उगाते हैं

आमतौर पर अगर तुम स्कूल के बारे में सोचोगे तो क्या। स्कूल जहां बच्चे पढ़ाई करते हैं। शिक्षा प्राप्त करते हैं। लेकिन क्या कभी तुमने ऐस स्कूल देखा है। जहां बच्चे पढ़ाई के साथ-साथ सब्जियां भी उगाते हैं। आओ आज हम तुम्हें इसके बारे बताते हैं।

अमेरिका में कोलोराडो स्थित सोपरिस एलिमेंट्री स्कूल के छात्र स्कूल में ही अपने लिए सब्जियां उगाते हैं। इस स्कूल के पांचवें ग्रेड के एक शिक्षक ने स्कूल में ग्रीनहाउस के लिए योजना बनाने में मदद की है। इस कार्यक्रम को वहां के स्थानीय बैंक और व्यापारियों का समर्थन मिला। एक फाउंडेशन ने इस योजना के लिए 5000 अमेरिकी डॉलर का कर्ज भी मुहैया कराया। इस स्कूल ने अपने यहां एक सोलर हीट सिस्टम भी लगाया है, ताकि सर्दियों में ग्रीनहाउस में पौधों को गर्मी प्रदान की जा सके। इसमें 400 बच्चे नियमित रूप से पौधों की देखभाल करते हैं। पिछले महीने स्कूल के छात्रों ने सब्जियों की पहली फसल काटनी शुरू की थी। इसमें खीरा, मूली और पालक आदि शामिल थे। 11 साल की एक छात्रा हनाह जुल कहती है कि फसल काफी अच्छी है। हम इसे उगाने के दौरान ढेर सारी मस्ती भी करते हैं। स्कूल के एक शिक्षक का कहना है कि स्कूल के बगीचे ने बच्चों को घरों में पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया है।

शुतुरमुर्ग की बेवकूफी

बहुत पहले की बात है जब ईश्वर सृष्टि के निर्माण में अब भी व्यस्त थे। ईश्वर का एक सहयोगी था वह संसार को अग्नि देने के पक्ष में नहीं था। उसे लगता था कि इस अग्नि से सांसारिक जीव स्वयं का ही ना नष्ट कर लें। पर आग तो पांच तत्वों में एक है और उसे संसार को देना आवश्यक था तो उन्होंने निर्णय लिया कि आग तो दे दी जाए संसार को लेकिन शुतुरमुर्ग को आग की रखवाली के लिये तैनात कर दिया जाए ताकि कोई आग से न खेल सके। उसने सोचा कि जो भी शुतुरमुर्ग जैसे बहुत वफादार और अनुशासन प्रिय जानवर से किसी तरह आग ले जाने में सफल भी हो गया तो वह इतना चतुर अवश्य होगा कि आग को संभाल लेगा। उसने शुतुरमुर्ग को जरूरी हिदायतें दीं और वह अपने इंतजाम से संतुष्ट हो कर स्वर्ग लौटकर दूसरे रचनाओं के काम में लग गया।

शुतुरमुर्ग ने आग को खूब छिपा कर रखा अपने एक पंख के नीचे। लेकिन जो पहला आदिमानव था उसे पता चल गया कि वह आग को कहां छिपा कर रखता है और उसे अनुमान हो गया कि वह छिपा कर रखी गई आग कितनी काम की चीज है। वह आग पाना चाहता था, वह उसमें अपना भोजन पकाना चाहता था, उसकी गर्मी से वह रातों को अपनी गुफा गर्म करना चाहता था, और उसके प्रकाश से डरावने शिकारी जानवरों को भी वह अपने से दूर रख सकता था। कितना अच्छा होगा उसके और उसके परिवार के लिये कि उनके पास थोडी सी आग हो। आदिमानव ने सोच समझ कर शुतुरमुर्ग से आग चुराने की योजना बना ली।

अगले दिन आदिमानव जो कि जानवरों से बात करना जानता था शुतुरमुर्ग के पास पहुंचा, उसे विनम्रता से अभिवादन किया, शुतुरमुर्ग ने उसे घूर कर शक की निगाहों से देखा।

ओह महान और बुध्दिमान शुतुरमुर्ग जीसारे पक्षियों के महाराज, मेरे पास आपके लिये एक अच्छी खबर है।

सच! वह क्या ? शुतुरमुर्ग ने रुचि ली।

ओह विशाल, भव्य पक्षी, मैं ने कल रात एक सपना देखा, वह यह कि आप उड सकते हैं।

शुतुरमुर्ग को लगा वह मजाक बना रहा है तो उसने आंखें तरेर कर उसे देखा।

वो कैसे?

मैं सपने में जाना कि आपको उडने का उपहार मिल सकता है अगर आप एक उपाय करें।

क्या।

अगर आप सुबह सूर्योदय से पहले तेज हवा में अपने पंख फैला कर खडे हो जाएं और सपने में मैंने जाना कि आप अपनी आंखें बन्द कर लें और दौड क़र बाज की तरह उपर उठ कर उडने का प्रयास करें तो उडान आपको उपहार में मिल जाएगी।

शुतुरमुर्ग को एक यही बात तो अखरती थी कि सबसे बडा पक्षी होने के बावजूद भी वह उड नहीं पाता, जबकि उसके पंख इतने बडे और शक्तिशाली हैं। वह इस बात को मानने के लिये विवश हो गया, क्योंकि यही तो उसकी प्रिय इच्छा थी।

अगले ही दिन वह सूर्योदय के पहले एक ऊंची पहाडी पर ठंड में आखें कस कर बन्द करके और पंख फैला कर खडा हो गया।

उसे खडे खडे ज़ब कुछ देर हो गई तो आदिमानव चुपके से आया और उसके पंखों के नीचे से आग चुरा ली और तेज रफ्तार में भाग खडा हुआ। शुतुरमुर्ग पूरे दिन खडा रहा पर उडना उसे नहीं मिला उपहार में।

इस तरह आदिमानव ने हम मानवों को आग लाकर दी जो कि इतनी काम की चीज़ है, पर ईश्वर के सहयोगी को जो डर था कि आग का गलत इस्तेमाल न हो वह गलती कभी कभी इन्सान कर बैठता है। हमें उसकी हिदायत याद रखनी होगी कि हम कितने भी समझदार हो जाएं किन्तु इस आग से दुनिया ही न नष्ट कर बैठें।

खैरहां उस दिन शुतुरमुर्ग बडा दुखी हुआ कि उडना तो उसे आया ही नहीं और उसकी बेवकूफी से उससे आग और छिन गई। तब से इस सदमे से उसका दिमाग कमजोर हो गया और याददाश्त कमजोर हो गई।

जी करता जोकर बन जाऊं

जोकर मुझे बना दो जी
मोटी तोंद लगा दो जी
नाक गाल को खूब सजा कर
गोलगोल गेंदें चिपका कर
बन्दर जैसे दाँत दिखाकर
रोतों को भी खूब हंसाकर
हंसा–हंसा कर आंसू लाऊं
जी करता जोकर बन जाऊं
जोकर मुझे बना दो जी
मोटी तोंद लगा दो जी
तरह तरह के खेल दिखाकर
उल्टा सीधा मुंह बना कर
कानों में चप्पल लटका कर
छोटी सी एक पूंछ लगाकर
बच्चों का टट्टू बन जाऊं
जी करता जोकर बन जाऊं
जोकर मुझे बना दो जी
मोटी तोंद लगा दो जी

बॉलीवुड में बैजू बावरा

कोई तीन चार साल पहले की बात है। पद्मावत निर्देशक संजय लीला भंसाली 1952 की क्लासिक म्यूजिकल फिल्म बैजू बावरा को रंगबिरंगे कैनवास पर फिर उतारना चाहते थे। 1952 की फिल्म बैजू बावरा का निर्माण और निर्देशन विजय भट्ट ने किया था। बैजू बावरा और तानसेन की संगीतमय प्रतिस्पर्धा दर्शाने वाले विषय को भट्ट ने प्रेम कहानी में बुना था। बैजू और गौरी की प्रेम कथा। यह फिल्म नौशाद के कर्णप्रिय हिट संगीत के कारण मेगा हिट फिल्म साबित हुई थी। इसके बाद, भारत भूषण और मीना कुमारी स्थापित हो गए थे। मीना को गौरी की भूमिका के कारण श्रेष्ठ अभिनेत्री का पहला फिल्मफेयर पुरस्कार मिला था।

सात दशक तक रीमेक नहीं- इसके बावजूद कि बैजू बावरा (1952) म्यूजिकल हिट फिल्म थी। इसका रीमेक करने का खेल सात दशकों तक किसी के दिल में नहीं आया। 2010 में फिल्म निर्माता निर्देशक कृष्णा शाह ने बैजू द जिप्सी शीर्षक के साथ बैजू बावरा का रीमेक शुरू किया। इस फिल्म में आमिर खान को बैजू की भूमिका के लिए लिया गया था। फिल्म के लिए एआर रहमान संगीत देने वाले थे। यह फिल्म जल्द ही ठंडे बस्ते में डाल दी गई।

दिलीप नरगिस होते बैजू-गौरी- इसके बाद, दस साल तक बैजू बावरा की दास्ता पर कोई खबर नहीं सुनाई दी। दरअसल, बैजू बावरा का नया संस्करण कास्टिंग बदलने का शिकार होता चला गया। कास्टिंग बदलने की घटना तो 1952 के बैजू के साथ भी हुई थी। विजय भट्ट बैजू दिलीप कुमार और गौरी नर्गिस को बनाना चाहते थे। उस समय यह जोड़ी काफी प्रसिद्ध भी थी। पर बजट ने सब चौपट कर दिया, काफी विचार विमर्श के बाद, बैजू और गौरी को भी बदल दिया गया। अब बैजू भारत भूषण और गौरी मीना कुमारी थी। यह बात दूसरी कि दिलीप कुमार और नर्गिस की हिट जोड़ी न होने का बावजूद बैजू बावरा मेगा हिट हुई और भारत भूषण और मीना कुमारी नए सितारे बन कर उभरे।

बदलते रहे बैजू-गौरी- 1952 की फिल्म की तरह, संजय लीला भंसाली की बैजू बावरा भी सितारे बदलने का शिकार होती चली गई। ऐसा लगता था कि वह सितारों के बलबूते अपनी बैजू बावरा को हिट बनाना कहते थे। तभी तो वह शाहरुख खान को बैजू और सलमान खान को तानसेन बना कर पेश करना चाहते थे। निश्चित रूप से उस समय भंसाली म्यूजिकल क्लासिक नहीं बाक्स आफिस हिट फिल्म बनना चाह रहे थे पर यह कवायद परवान नहीं चढ़ सकी।

हिट जोड़ियां बनाकर- इसमें कोई शक नहीं कि भंसाली की निगाहें बाक्स आफिस पर ही टिकी हुई थी। तभी तो वह जोड़ियों के सहारे फिल्म का निर्माण शुरू करना चाहते थे। जबकि मूल बैजू बावरा हिट जोड़ी के साथ नहीं, हिट जोड़ी देने वाली फिल्म थी। यही कारण था कि संजय लीला भंसाली के दिल में रणवीर कपूर को बैजू और दीपिका पादुकोण को गौरी बनाने का विचार आया। उस समय तक रणवीर और दीपिका का रोमांस ताजा था। यह जोड़ी भी नहीं बन सकी। खबर आई कि संजय के मन में कार्तिक आर्यन का विचार आया पर यह समाचार भी हवा में उड़ गया।

पहले गंगुबाई- पिछले साल से, भंसाली की बैजू बावरा पर गंभीर विचार शुरू हो गया था। हालांकि, उस समय कभी इंशाल्लाह और कभी गंगुबाई काठियावाड़ी के इर्दगिर्द घूम रहे थे। इंशाल्लाह ठंडे बस्ते में डालने के बाद भंसाली ने गंगुबाई पर ध्यान देना शुरू कर दिया। यह फिल्म हिट फिल्म बताई जा रही है।

नाटकीयता का शिखर- भंसाली की फिल्मों में नाटकीयता शिखर पर होती है। बैजू बावरा में कितनी नाटकीयता है, इसका पता तो फिल्म प्रदर्शित होने के बाद ही चल सकेगा, लेकिन कास्ट के चुनाव में नाटकीयता हर कदम पर होती रही है। फिल्म में रणवीर सिंह के बैजू और दीपिका पादुकोण के गौरी होने का अंतिम निर्णय हो चुका है। कुछ समय पहले चर्चा में था कि पत्नी दीपिका पादुकोण ने पति रणवीर सिंह के बैजू से अधिक पारिश्रमिक न दिए जाने के कारण, भंसाली की गौरी बनने से इंकार कर दिया. ■

आलिया भट्ट भी गौरी- दीपिका पादुकोण के कथित रूप से फिल्म से बाहर निकल जाने के बीच समाचार यह भी उछला कि अब रणवीर सिंह के बैजू की गौरी भंसाली की गंगूबाई यानी आलिया भट्ट होंगी। नाटकीयता की हद तो तब हो गई, जब यह सुनाई देने लगा कि संजय ने रणवीर सिंह को भी बाहर कर दिया है और नए बैजू अजय देवगन होंगे। देवगन ने भंसाली की फिल्म हम दिल दे चुके सनम में सह भूमिका के अलावा गंगुबाई काठियावाड़ी में करीम लाला की मेहमान भूमिका की है।

बैजनाथ, बैजू और बैजू बावरा

संजय लीला भंसाली के बैजू की संगीतमय यात्रा प्रारंभ होने जा रही है। बैजू बावरा की यह संगीतमय यात्रा बदलाव की यात्रा है। संजय ने कास्टिंग तो बदली ही। टाइटल में भी स्थिर नहीं रहे। सावधानीवश उन्होंने फिल्म के रीमेक के लिए बैजनाथ, बैजू और बैजू तानसेन टाइटल रजिस्टर करवाए थे। शाहरुख खान बैजनाथ नहीं बन सके। रणबीर कपूर भी बैजू नहीं बने। इसी गड़बड़झाले में बैजू तानसेन भी बिला गए। अब शीर्षक 1952 की फिल्म बैजू बावरा वाला ही है। क्या संजय की बैजू बावरा, विजय भट्ट की बैजू बावरा के समकक्ष आ पाएगी 2023 तक।

टीम फंसी गैसरूम में

सोनी सब का यूथ ड्रामा 'जिद्दी दिल माने ना' संजू (दिलजोत छाबड़ा) कुंदन (अंगद हसीजा) के सहयोगी केडी ने बंदी बना लिया है। करण (शालीन मल्होत्रा) मोनामी (कावेरी प्रियम), फैजी (आदित्य देशमुख), सिड (कुणाल करण कपूर) उसे बचाने के लिए निकल चुके हैं। शालीन ने कहा, संजना यह सब कर सकती है। लड़कियों को वस्तु समझकर उनकी खरीद-फरोख्त करना घिनौना अपराध है, क्योंकि महिलाएं पुरूषों से बेहतर होती हैं।

किरदारों का अनोखा समूह

सोनी सब के शो 'सब सतरंगी' की कनक, यानि हिमा सिंह काकेवल पूरे परिवार के रिश्ते के इर्द-गिर्द है। यह कोई तमाशा नहीं, बल्कि कामेडी होगी। मैं बहुत उत्साहित हूं।

कनक मौर्य कुछ वक्त से शादीशुदा है, लेकिन अपने परिवार में रह रही है। परिवार की बड़ी बेटी होने के नाते उसका रवैया बहुत रक्षात्मक है, क्योंकि परिवार में कोई मां नहीं है। चूंकि परिवार मातृसत्तात्मक है, इसलिए दादी और कनक परिवार को एकजुट रखती हैं। मैं बहुत आशावादी हूं। मैं जल्दी काम करती हूं। आप भरोसा करते हैं, वह सच हो जाता है तो मैं इसी पर ध्यान देती हूं। हम सभी ने लखनऊ की बोलचाल सीख ली है। मैं मूल रूप से लखनऊ की हूं, तो सहज हूं। किरदारों का बहुत अनोखा समूह है।

संजना के लिए सचिन ने छोड़ी जगह

जी टीवी का शो सारेगामापा शो के सेमी फाइनल एपिसोड के दौरान मशहूर एवं लेजेंडरी एक्ट्रेस जया प्रदा स्पेशल गेस्ट बनेंगी। संजना को एलिमिनेट कर दिया गया तो सचिन कुमार हैरान रह गए और उन्होंने टाप 6 फाइनिलस्ट्स में संजना को शामिल करने के लिए खुद बाहर होने का फैसला किया, उन्हें लगता है कि संजना इसकी ज्यादा हकदार हैं। सचिन ने कहा, मुझे लगता है यह जगह मेरी जिंदगी बन गई लेकिन संजना टाप 6 में आने और फिनाले में पहुंचने की हकदार हैं, क्योंकि उन्होंने कड़ी मेहनत की है।

घिसे-पिटे रिवाजों को तोड़ना जरूरी : विधि पंड्या

रूढ़िवाद तो रहेगा, लेकिन हमें इसे पार करके आगे बढ़ना होगा। यह मानना है विधि पंड्या का, जो सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के शो 'मोसे छल किए जाए' में सौम्या वर्मा का रोल निभा रही हैं। विधि बताती हैं, सौम्या खूबसूरत महिला है,

जो पुरुषवादी सोच की तमाम जंजीरों को तोड़ती है। मैं हमेशा इस किरदार से प्रभावित रही हूं और इससे जुड़ सकती हूं क्योंकि मैं भी शुरुआत से काफी महत्वाकांक्षी रही हूं। उसकी जिंदगी में जो भी चल रहा हो, वो सबसे पहले अपने करियर को प्राथमिकता देती है।

अंकुर भाटिया ने मनाया जन्मदिन

हिट सीरीज आर्या सीजन 2 में दिल जीत लेने वाली अंकुर भाटिया अली अब्बास जफर की फिल्म 'ब्लडी डैडी' की शूटिंग में व्यस्त है। शाहिद कपूर अभिनीत एक्शन से भरपूर इस फिल्म में अंकुर विक्की का किरदार निभाएंगे। इस वर्किंग बर्थडे मनाने पर अंकुर भाटिया कहते है, मुझे काम में व्यस्त रहना पसंद है और पिछली साल भी मैंने अपना जन्मदिन सेट पर ही मनाया था, उस समय मैं आर्या 2 की शूटिंग कर रहा था और इस बार 'ब्लडी डैडी' की शूटिंग कर रहा हूं।

मिसेज एंड मिस्टर शमीम

zee5 ने जिंदगी ओरिजिनल 'मिसेज एंड मिस्टर शमीम' की घोषणा की है। 20-एपिसोड वाली इस सीरीज में 'हिन्दी मीडियम' से प्रसिद्ध हुई अभिनेत्री सबा कमर और नौमन एजाज ने अभिनय किया है। इसका प्रसारण 11 मार्च, 2022 को किया जाएगा। सबा कमर कहती हैं, उमैना निडर, मजबूत और बेखौफ महिला है। वह बिगड़ैल है। मुझे लगता है कि अब महिलाओं को अपने रास्ते चुनने की आजादी मिले और उन्हें नियमों के दायरे में कैद ना किया जाए। नौमन एजाज कहते हैं, शमीम आम हीरो नहीं है। वह सौम्य, ख्याल रखने वाला पुरुष है। बदकिस्मती से महिला जैसा व्यवहार करने की वजह से उसकी खिल्ली उड़ते हुए भी देखेंगे।

'मिठाई' में देबत्तमा और आशीष भारद्वाज

जी टीवी का शो 'मिठई पहला फिक्शन शो है, जो लव स्टोरी और फैमिली ड्रामा है। 'मिठई' मथुरा की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह मिठई नाम की लड़की की जिंदगी है, जो स्वादिष्ट और नायाब मिठइयां बनाती है। ये कला उसे अपने पिता से विरासत में मिली है। मिठई उत्तर प्रदेश के बृज क्षेत्र में स्थित छोटे से शहर जतीपुरा की रहने वाली लड़की है। आशीष भारद्वाज इसमें सिद्धार्थ का रोल निभा रहे है। सिद्धार्थ पेशे से साफ्टवेयर इंजीनियर है और मथुरा के मिठइयों के पुराने व्यवसायी परिवार के पोते है। सिद्धार्थ को मिठइयां पसंद नहीं है। देवत्तमा सहा ने कहा, मैं मिठई का किरदार निभा हूं। बंगाली होने के नाते मिठइयां हमारी संस्कृति और परंपरा का हिस्सा रही है।

कपिल के शो में निरहुआ

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के द कपिल शर्मा शो में भोजपुरी स्टार्स रवि किशन, रानी चटर्जी, निरहुआ और आम्रपाली दुबे। भोजपुरी इंडस्ट्री के दिग्गज एक्टर निरहुआ को-स्टार रही आम्रपाली के साथ कई बार बड़ी विचित्र स्थितियों में फंस चुके हैं। निरहुआ ने कहा, आम्रपाली जी कई बार मुझे दुविधा में डाल देती हैं, यदि हम कभी बाहर फिल्म देखने जाते हैं, तो हम आटो में यात्रा करना पसंद करते हैं

और अपनी पहचान छुपाने के लिए चेहरे पर मास्क लगा लेते हैं। लेकिन फिर भी एक बार आटो ड्राइवर को शक हो गया और उसने पीछे मुड़कर हमसे पूछा, क्या आप फिल्मों में काम करते हैं? मैंने कहा, नहीं। उस ड्राइवर ने कहा, असल में आपकी तरह कोई है, जो हमारा हीरो है। मैंने कहा, मैं जरूर देखूंगा और उसका शक दूर हो गया। मैंने उन्हें (आम्रपाली) उनके घर पर छोड़ा, उन्होंने आटो से उतरकर जोर से कहा, ओ निरहुआ और इतना कहकर वो भाग गई। उन्होंने आगे बताया, अब आटो ड्राइवर ने मुझे पूरे शहर में घुमाया।

मानसी की टेलीविजन पर वापसी

मानसी जोशी राय जल्द ही स्टार प्लस के अपकमिंग शो 'ये झुकी झुकी सी नजर' के साथ छोटे पर्दे पर नजर आएंगी। 25 वर्षों के अनुभव के साथ, मानसी ने अभिनय के महारत हासिल की है। वह हीरो की मां सुधा की भूमिका निभाती नजर आएंगी। वह कहती हैं, 5 साल के अंतराल के बाद, दोबारा वापसी कर रही हूं। मुझे टेबल पर नयापन लाना और उसके अनुसार अपने प्रोजेट्स का चयन करना पसंद है क्योंकि मैं गुणवत्ता में विश्वास करती हूं।

अत्याचारी खेल कंगना का

अल्ट बालाजी एवं एमएक्स प्लेयर निडर शो लाक अप : बैडएस जेल, अत्याचारी खेल में 13 विवादास्पद सेलिब्रिटीज 72 दिनों के लिए लाक अप में निशा रावल, मुनव्वर फारुकी, पूनम पांडे, करणवीर बोहरा, बबीता फोगाट और कई अन्य सेलिब्रिटीज शामिल हैं। कंगना ने कहा, मुझे खुशी है कि लाक अप जैसे अनोखे और दिलचस्प कान्सेप्ट के साथ लीडिंग प्लेटफार्म्स पर एकता कपूर हैं ,मेरी बैड एस जेल में 13 विवादास्पद हस्तियों की

जिंदगी पूरी तरह उलटकर रह जाएगी। एकता कपूर ने कहा, भारत का फीयरलेस रियलिटी शो लाक अप सबके होश उड़ा देगा, जिसे बेहद टैलेंटेड और डायनामिक कंगना होस्ट कर रही है। मुझे कंगना के ओटीटी डेब्यू पर उन्हें सपोर्ट करके और उन्हें बधाई देते हुए बेहद खुशी हो रही है।

'वागले की दुनिया' ने हंसाया

सोनी सब के 'गुडनाइट इंडिया' में वागले परिवार हंसा-हंसा कर लोट-पोट करने आ रहा है। सुमीत राघवन, जो राजेश वागले का किरदार निभा रहे हैं, ने कहा, मैं अमित टंडन का बहुत बड़ा फैन हूं और उन्हें और उनके एक्ट को देखता रहा हूं। इसलिए जब मुझे वागले परिवार के साथ यहां आने का मौका मिला, तो हम सभी 'गुडनाइट इंडिया' शो का हिस्सा बनने के लिए खुशी-खुशी तैयार हो गये।

'मैडम सर' के दो साल

सोनी सब के 'मैडम सर' के दो सालों पूरा कर लिया है। गुल्की जोशी, युक्ति कपूर, भाविका शर्मा और सोनाली नायक है। गुल्की जोशी, ने कहा, मुझे बहुत गर्व और खुशी हो रही है। कलाकार के रूप में अपने दायरे को बढ़ाने का और एक्सपेरिमेंट करने का मौका मिलता है। युक्ति कपूर, ने कहा, दिल से आभार व्यक्त करती हूं, जिन्होंने इसे इतना ज्यादा कामयाब बनाया।

अनदेखी अनसुनी कथाएं गरुड़

सोनी सब चैनल अपनी आगामी गाथा 'धर्म योद्धा गरुड़' (फैसल खान) और उनकी मां के बीच प्यार की अनदेखी और अनसुनी कथाएं प्रस्तुत है। 14 मार्च को गाथा देखने से पहले गरुड़ के बारे में हैं। पुराणों में गरुड़ को शक्ति का प्रतीक बताया गया है। बहन कदरू (पारूल चौहान) की दासता की बेड़ियों में जकड़ी विनता (तोरल रसपुत्रा) दुर्भाग्य के बंधन में हैं। ऋषि कश्यप (ऋषिकेश पांडे) और विनता के पुत्र के रूप में हुआ था। गरुड़ को लोभ कभी छू नहीं पाया और उन्होंने शत्रुओं से युद्ध किया।

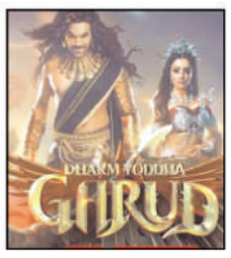

बालीवुड

रवीना के साथ संजय

संजय दत्त चाहते थे कि उनका कम से कम एक सीन रवीना टंडन के साथ हो। इन दोनों ने एकसाथ आतिश, जीना मरना तेरे संग, जंग, खौफ, जमाने से क्या डरना, क्षत्रिय, विजेता, आदि ढेरों फिल्म की है। दोनों की साथ पिछली

एलओसी कारगिल 2003 में प्रदर्शित हुई थी। संजय की अप्रैल में प्रदर्शित होने जा रही फिल्म केजीएफ चैप्टर 2 में संजय दत्त खलनायक अधीरा की भूमिका कर रहे है। इसमें रवीना टंडन भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका कर रही है। संजय दत्त चाहते थे कि उन्हें फिल्म में रवीना के साथ पर्दा शेयर करने का मौका मिले पर ऐसा नहीं हो सका। अब इसकी भरपाई घुड़चढ़ी के द्वारा हो रही है। पहली बार निर्देशक की कमान सम्हाल रहे विनाय गाधी इसमें संजय और रवीना की परिपक्व जोड़ी के साथ, खुशाली कुमार और पार्थ समथन की जोड़ी पहली बार बन रही है। यह फिल्म पर्थ की पहली हिंदी फिल्म है।

सज गई भंसाली की हीरामंडी

संजय लीला भंसाली की फिल्म गंगुबाई काठियावाड़ी प्रदर्शित हो है। भंसाली ने इससे पहले ही नेटफ्लिक्स के लिए सीरीज हीरामंडी की शूटिंग शुरू कर दी है। इसकी शूटिंग पिछले साल अगस्त में भी शुरू की गई थी लेकिन कोरोना के प्रकोप के कारण शूटिंग रोक दी गई थी। अब भंसाली को पहले छः एपिसोड शूट करने हैं। बाकी एपिसोड उनके सहायक करेंगे। बताया जा रहा है कि पाकिस्तान की हीरामंडी की तवायफों पर आधारित इस सीरीज में बालीवुड और टेलीविजन की 18 अभिनेत्रियों को शामिल किया जाएगा। इस 18 चरित्रों में से पांच के लिए सोनाक्षी सिन्हा, हुमा कुरैशी, मनीषा कोइराला, निमृत कौर और सयानी गुप्ता का चयन कर लिया गया है।

अब चार भाषाओं में 'धाकड़'

कंगना रानौत की 8 अप्रैल 2022 को प्रदर्शित होने जा रही फिल्म धाकड़ की तिथि बदल दी गई है। यह एक्शन फ्रैंचाइजी फिल्म अब 27 मई 2022 को प्रदर्शित की जाएगी। फिल्म में कंगना का एजेंट अग्नि देश के दुश्मनों को जमीन चाटता नजर आएगा। कंगना का साथ दिव्या दत्ता और शाश्वत चटर्जी दे रहे होंगे। वहां उनके विरुद्ध षडयंत्र रच रहे होंगे अर्जुन रामपाल। निर्देशक रजनीश रेजी घई की पहली फिल्म है। धाकड़ को हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगु और मलयालम में भी प्रदर्शित किया जाएगा। कंगना की पिछली फिल्म थलाइवी हिंदी के अलावा तमिल में भी प्रदर्शित हुई थी। थलाइवी में कंगना रनौत ने जयललिता की भूमिका के जान डाल दी थी।

रामगोपाल की लेस्बियन फिल्म डेंजरस

राम गोपाल वर्मा पहली बार समलैंगिक प्रेम कहानी पर हाथ साफ कर रहे हैं। यह फिल्म दो लड़कियों के समलैंगिक संबंधों का गंभीर परिणाम है। यह लम्बे समय से विवादित कहानी और सामग्री के कारण सेंसर द्वारा रोक रखी गई थी। परन्तु अब इसे सेंसर द्वारा पारित कर दिया गया है। 8 अप्रैल 2022 को प्रदर्शित होनी है। दो औरत इस पुरुष प्रधान समाज से असंतुष्ट होकर एकदूसरे की तरफ आकर्षित होती हैं। फिल्म में साउथ फिल्मों की हाट अभिनेत्री अप्सरा रानी और नैना गांगुली प्रमुख चरित्र कर रही हैं।

तापसी की वह लड़की है कहां

तापसी पन्नू की अधिकतर फिल्में सिनेमाघरों में प्रदर्शित नहीं हो पाती। इन फिल्मों के निर्माता डिजिटल प्लेटफार्म की शरण लेते हैं। यह बात दूसरी है कि इनको डिजिटल पर भी दर्शक नहीं मिलते। हालिया प्रदर्शित फिल्म लूप लपेटा इसका प्रमाण है। इसके बावजूद तापसी की नई फिल्मों की घोषणा होती रहती है। पिछले दिनों, जंगली पिक्चरस और राय कपूर फिल्म्स की निर्माणाधीन फिल्म वह लड़की हैं कहां के पूरा होने के समाचार बने। इस रहस्य रोमांच से भरपूर फिल्म में तापसी पन्नू के साथ प्रतिक गांधी प्रमुख भूमिका में है। अरशद सईद निर्देशित फिल्म में प्रतीक और हरलीन सेठी हैं। देखने की बात होगी कि तापसी पन्नू की यह कहां प्रदर्शित होती है।

■ अ. कां.

देवता दिलचस्पी जगाता है : विष्णु

जीटीवी ने भक्ति-गायन रियलिटी शो 'स्वर्ण स्वर भारत' में दोहों और भावपूर्ण भक्ति संगीत के माध्यम से सुनाई जाने वाली जानी-पहचानी सी कथाओं के जरिए जड़ों से जोड़ता है। विशाल करवाल भगवान विष्णु के अवतार में, नारद मुनि बने होस्ट रवि किशन के साथ नजर आएंगे। विशाल ने कहा, मैंने कई बार भगवान विष्णु का चरित्र निभाया है। बहुत-से एक्टर्स पौराणिक किरदार नहीं निभाना चाहते, क्योंकि किसी भी देवी या देवता का रोल निभाना आम किरदार निभाने से ज्यादा चैलेंजिंग होता है।

मेरा पहला प्यार : अनुज सचदेवा

स्टार भारत में 'मन की आवाज प्रतिज्ञा 2' के बाद 'वो तो है अलबेला' के साथ लौट रहे हैं शहीर शेख के साथ अनुज सचदेवा चिरंजीवी की भूमिका में नजर आएंगे। अनुज लम्बे समय बाद टीवी पर वापसी कर रहे हैं। अनुज सचदेवा बताते हैं, भले ही मैं हर मीडियम में काम कर चूका हूं, फिर चाहे वो फिल्म, टीवी ओटीटी क्यों न हो लेकिन मेरा पहला प्यार आज भी टीवी ही है। मैं टीवी करके और अपने इस किरदार को चुनकर बहुत खुश हूं। यहां हमारा अपना अलग परिवार बन जाता है।

कहानी में कुछ दिलचस्प है: अदिति

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का फिक्शन शो 'धड़कन जिंदगी की' में डा. दीपिका को उनके सहकर्मियों और परिवार ने नीचा दिखाया, वो अकेली ही निडर होकर कार्यस्थल पर लैंगिक

भेदभाव के खिलाफ लड़ती हैं। अदिति गुप्ता बताती हैं, हर नया किरदार शो की कहानी में कुछ दिलचस्प लेकर आता है और निखिल सरदेसाई का किरदार भी बिल्कुल वैसा ही है। दीपिका को हौसले की सबसे ज्यादा जरूरत है। दीपिका और निखिल की कैमिस्ट्री को उनकी लंबी दोस्ती का पहला कदम कहा जा सकता है। हमें अपनी कैमिस्ट्री दिखाने में मदद मिली।

मानव बालों के तस्कर बने बीएसएफ के लिए सिरदर्द विग इंडस्ट्री में है भारी मांग

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा पर मानव बालों की तस्करी सीमा सुरक्षा बल के लिए एक नया सिरदर्द बनकर सामने आई है। पिछले एक साल में बांग्लादेश में तस्करी के दौरान 400 किलो से अधिक मानव बाल जब्त किए गए हैं। मालूम हो कि विग इंडस्ट्री में मानव बालों की भारी डिमांड है। बीएसएफ के दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के डीआईजी एसएस गुलेरिया ने कहा कि ये सब 2021 से चल रहा है। लगभग 12 किलो की पहली खेप को फरवरी 2021 में नादिया जिले में जब्त किया गया था। 2021 में कम से कम 397 किलो मानव बाल जब्त किए गए। उन्होंने बताया कि इस साल अब तक करीब 47 किलो जब्त किया जा चुका है। बताते चलें कि 3 मार्च को दक्षिण बंगाल के नदिया जिले के तेहट्टा में 10 बोरियों में भरे हुए करीब 38 किलो मानव बाल की नवीनतम खेप जब्त की गई थी। अधिकारियों ने कहा कि देश भर से कचरा बीनने वालों द्वारा एकत्र किए गए मानव बाल एजेंटों और बिचौलियों के जरिए से पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद पहुंचते हैं। मुर्शिदाबाद हेयर ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मिलन चौधरी ने कहा कि जिन महिलाओं के लंबे बाल होते हैं, वे नियमित रूप से कंघी करने के बाद झड़ते बालों को हटा देती हैं। कचरा बीनने वाले और बाल इकट्ठा करने वाले लोग घर-घर और शहरों में जुटाते हैं। एक बार जब वे हमारे पास पहुंच जाते हैं तो उन्हें विग में बुने जाने से पहले साफ-सुथरा किया जाता है। विग को मुख्य रूप से चीन को निर्यात किए जाते हैं।

बता दें कि कोरोना महामारी यह इंडस्ट्री भी अछूती नहीं रही। चौधरी ने कहा कि महामारी की चपेट में आने से पहले, विग आयात करने से पहले दर्जनों चीनी आयातक गुणवत्ता की जांच करने के लिए मुर्शिदाबाद आते थे। लेकिन महामारी ने भारी तबाही मचाई और वीजा नियमों के कड़े होने के कारण उन्होंने आना बंद कर दिया। अधिकारियों ने कहा कि जहां 90 फीसदी बाल चीन भेजे गए, वहीं इसका एक छोटा हिस्सा यूएई और मलेशिया को गया। कुछ का उपयोग बांग्लादेश में स्थानीय हेयर रिप्लेसमेंट सैलून द्वारा भी किया जाता था। बीएसएफ के एक अधिकारी ने कहा कि 6 इंच से अधिक लंबे मानव बालों की लंबी किस्में कारखानों में भारी मांग में हैं। जबकि लंबे बालों का उपयोग महिलाओं के लिए विग और बाल एक्सटेंशन बनाने के लिए किया जाता है, छोटे का उपयोग पुरुषों और कृत्रिम खिलौनों के लिए विग बनाने के लिए किया जाता है।

हाईकोर्ट ने खारिज की डीएमआरसी-डीएएमईपीएल करार की सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने रैपिड ट्रांसपोर्ट नेटवर्क' की ऑरेंज लाइन को विकसित एवं संचालित करने संबंधी दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) और अनिल अंबानी के स्वामित्व वाली दिल्ली एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड (डीएएमईपीएल) के बीच 2008 में हुए समझौते की सीबीआई जांच के अनुरोध वाली याचिका खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति मनमोहन और न्यायमूर्ति सुधीर कुमार जैन की पीठ ने कहा भले ही वह इस दलील को स्वीकार भी कर ले कि समझौते पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा हस्ताक्षर नहीं किए गए हैं, तब भी यह ऐसा अपराध नहीं होगा, जिसकी जांच सीबीआई द्वारा की जाए। अदालत ने कहा उसकी राय है कि दुर्लभतम मामलों में सीबीआई जांच का आदेश दिया जाना चाहिए। पीठ अधिवक्ता और याचिकाकर्ता मनोहरलाल शर्मा की याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उन्होंने सीबीआई को लोक सेवक द्वारा आपराधिक विश्वासघात, आईपीसी के तहत धोखाधड़ी व आपराधिक साजिश के कथित अपराध और भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम के प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश देने का अनुरोध किया था।

मीडिया पर हो रहे हमले, पत्रकार इसकी रक्षा के लिए खड़े हों : लोकुर

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति मदन बी लोकुर ने कहा कि देश में मीडिया पर कई प्रकार से हमला किया जा रहा है और प्रेस की स्वतंत्रता संविधान द्वारा प्रदत्त एक मौलिक अधिकार है तथा पत्रकारों को इसकी रक्षा के लिए खड़ा होना चाहिए। पत्रकारिता में उत्कृष्टता के लिए आईपीआई-इंडिया पुरस्कार प्रदान करने के लिए आयोजित के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति लोकुर ने कहा कि पत्रकारों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने और उन्हें उनका काम करने के लिए गिरफ्तार करने समेत कई घटनाओं से मीडियाकर्मियों पर हतोत्साहित करने वाला प्रभाव पड़ता है जिससे वे जरूरत से ज्यादा सावधान होकर काम करने लगते हैं। उन्होंने कहा, यह सामान्य ज्ञान का मामला है कि प्रेस पर कई तरह के हमले होते हैं। कई पत्रकारों को गिरफ्तार किया गया और उन्हें उनका काम करने के लिए लंबे समय तक जेल में रखा गया। कई पत्रकारों के विरुद्ध इसी कारण से प्राथमिकी दर्ज की गई। ऐसे भी मामले सामने आए हैं, जब कुछ पत्रकारों को शालीनता से

बात मानने पर मजबूर किया गया न्यायमूर्ति लोकुर ने कहा कि ऐसी घटनाएं सामने आईं जब मीडिया संगठनों को विज्ञापन नहीं दिए गए या विज्ञापन का भुगतान नहीं किया गया जिससे छोटे अखबार तबाह हो गए। उन्होंने मलयालम समाचार चैनल का परोक्ष रूप से उदाहरण देते हुए कहा, अब एक नया मामला सामने आया है। एक टीवी चैनल के लाइसेंस का नवीकरण राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देते हुए नहीं किया गया। इस मामले में किसी कारण का खुलासा नहीं किया गया। एक अखबार ने इस खबर को संपादित नहीं किया है। यह खबर पीटीआई-भाषा की फीड से प्रकाशित की गयी है।

खनन अधिकारी ने कडेसरा कला के आसपास किए जा रहे अबैध खनन कार्य को सिरे से किया खारिज

ललितपुर। तालबेहट क्षेत्र के ग्राम कड़ेसरा कला के पवा साइन बोर्ड के निकट की पहाड़ी पर कंपनी द्वारा खनन कार्य किया जा रहा है, जिसको कुछ लोग अवैध खनन का नाम दे रहे थे और इसको वहां के कुछ नेताओं द्वारा भी अवैध खनन के नाम से उछाला जा रहा था। जिस पर स्पष्टीकरण देते हुए खनन अधिकारी शशांक शर्मा ने बताया कि उक्त अवैध खनन नहीं है बल्कि शासन से प्राप्त मंजूरी के अनुसार नमामी गंगे पेयजल योजना के अंतर्गत उक्त कार्य किया जा रहा है।झरर घाट के समीप चल रहे केन्द्र सरकार की बहुचर्चित नमामि गंगे परियोजना के अंतर्गत बन रहे वाटर सप्लायर पंप हाउस के समतलीकरण हेतु ठेकेदार द्वारा कराया जा रहा है जिसको कुछ क्षेत्रीय नेता और कुछ लोग अवैध खनन का नाम दे रहे थे और मामले को टालने का प्रयास कर रहे थे। इस मामले में खनन अधिकारी शशांक शर्मा का कहना है कि तालबेहट क्षेत्र के कडेसरा कलां में अवैध खनन की शिकायत मिली थी। कंपनी द्वारा जो कार्य किया जा रहा है वह विधिवत और अनुमति से किया जा रहा है। इस संबंध में एडीएम नमामि गंगे ने स्वयं लिख कर दिया है कि वहां पर किसी भी तरह का अवैध खनन का कार्य नहीं किया जा रहा है। वहां पर नियमानुसार कार्य किया जा रहा है और उक्त कार्य पेयजल संबंधी योजना के अंतर्गत किया जा रहा है। इस मामले की शिकायत क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य कर रहे हैं क्योंकि उन पर कई बार अवैध खनन की कार्यवाही हो चुकी है और उन्हें क्षेत्र में इस तरह का कार्य नहीं करने दिया जा रहा। जिस कारण वह लगातार इस तरह की शिकायतें कर रहे हैं जो जांच में निराधार साबित होती हैं।

रूसी अर्थव्यवस्था पर हमले जारी

नई दिल्ली। रूस में सभी लेनदेन बंद कर दिए हैं। यूक्रेन पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आक्रमण के बाद अंतरराष्ट्रीय समुदाय से उसकी अर्थव्यवस्था को अलग-थलग करने के तहत यह कदम उठाया गया है। शनिवार को कुछ ही मिनटों के भीतर दोनों की ओर से इसे लेकर अलग-अलग बयान जारी किए गए। वीजा ने यूक्रेन पर रूस के अकारण आक्रमण और अस्वीकार्य घटनाओं का हवाला दिया, जबकि मास्टरकार्ड ने मौजूदा संघर्ष की अभूतपूर्व प्रकृति और अनिश्चित आर्थिक वातावरण का जिक्र किया। रूस में सभी लेनदेन बंद कर दिए हैं। यूक्रेन पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आक्रमण के बाद अंतरराष्ट्रीय समुदाय से उसकी अर्थव्यवस्था को अलग-थलग करने के तहत यह कदम उठाया गया है। शनिवार को कुछ ही मिनटों के भीतर दोनों की ओर से इसे लेकर अलग-अलग बयान जारी किए गए। वीजा ने यूक्रेन पर रूस के अकारण आक्रमण और अस्वीकार्य घटनाओं का हवाला दिया, जबकि मास्टरकार्ड ने मौजूदा संघर्ष की अभूतपूर्व प्रकृति और अनिश्चित आर्थिक

वातावरण का जिक्र किया। वीजा और मास्टरकार्ड ने कहा कि रूस में जारी किए गए उनके कार्ड से होने वाला कोई भी लेनदेन अब देश के बाहर काम नहीं करेगा, जबकि रूस के बाहर जारी किया गया कोई भी कार्ड रूसी मर्चेंट्स या एटीएम पर काम नहीं करेगा। वीजा ने कहा कि रूस में ऐसे कंज्यूमर्स जिनके पास उस देश में जारी कार्ड है, वे अभी भी वहां वस्तुओं और सेवाओं के लिए भुगतान कर सकते हैं, लेकिन कंपनी लेनदेन की प्रक्रिया नहीं करेगी। यह रूस की राष्ट्रीय भुगतान कार्ड प्रणाली, या एनएसपीके के तहत होगा। रूसी केंद्रीय बैंक ने एक बयान में कहा कि रूस के बैंकों की ओर से जारी वीजा और मास्टरकार्ड प्रोडक्ट्स समाप्त होने तक काम करना जारी रखेंगे। वहीं, यूक्रेन के अधिकारी दविद अरखामिया ने बताया है कि रूस और यूक्रेन के बीच अगले दौर की बातचीत सोमवार को होगी। अरखामिया यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की सर्वेंट ऑफ द पीपुल पार्टी के संसदीय दल के प्रमुख और रूस के साथ बातचीत के लिए देश के प्रतिनिधिमंडल के सदस्य हैं।

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत मनाया जाएगा महिला दिवस

ललितपुर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) इस बार आजादी के अमृत महोत्सव के तहत मनाया जाएगा। इसके उपलक्ष्य में पाँच से 11 मार्च तक जनपद स्तर पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके तहत स्थानीय स्तर पर सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए उल्लेखनीय कार्य करने वाली पंचायत व नगरीय स्थानीय स्वशासन की महिला प्रतिनिधियों को सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा महिलाओं की उपलब्धियों, लैंगिक आधारित भेदभाव व हिंसा को खत्म करने संबंधी प्रयासों तथा महिला सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे कार्यों का सोशल मीडिया कैम्पेन के जरिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा ताकि अधिक से अधिक लोग उनसे प्रेरणा ले सकें। महिला कल्याण निदेशक मनोज कुमार राय ने इस बारे में सूबे के जिलाधिकारियों को पत्र भेजकर एक सप्ताह के दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के बारे में आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। सप्ताह के पहले दो दिन पाँच व छह मार्च को ब्रेक द बायस इवेंट का आयोजन किया जाएगा। इसके तहत सोशल मीडिया कैम्पेन के जरिए प्रदेश की ऐसी महिलाओं की कहानियों को आमजन तक पहुंचाया जाएगा जो समाज की रूढ़ियों व पूर्वाग्रहों से संघर्ष कर खुद सफल जीवनयापन कर रहीं हैं और दूसरी महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत भी हैं। सात मार्च को वूमन ऑफ टुमारो कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसके तहत किशोरियों व महिलाओं के साथ उनकी शिक्षा व स्वावलंबन की चुनौतियों पर चर्चा आयोजित की जाएगी। यह कार्यक्रम ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में विद्यालय, कालेज, विश्वविद्यालय, आंगनबाड़ी, महिला शरणालय, बालिका गृहों व संरक्षण गृहों आदि के स्तर पर आयोजित किए जाएंगे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस जागरूकता सप्ताह के तहत ब्रेक द बायस कार्यक्रम हुआ आयोजित

ललितपुर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन वर्तमान में चल रहे आजादी का अमृत महोत्सव के अंग के रूप में मनाया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर साप्ताहिक कार्यक्रम के पहले दिन ब्रेक द बायस कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रोबेशन अधिकारी के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम ग्रामीण/शहरी महिलाओं के साथ किया गया, जिसमें ऐसी महिलाऐं जो समाज की रूढ़ियों/पूवार्ग्रहों से संघर्ष कर आगे सफल जीवन यापन कर रही है और दूसरी महिलाओं के लिए प्रेरणाश्रोत है स्वयं या उनके सम्बन्ध में आमजन को अवगत कराते हुये ऐसी महिलाओं को जागरूक किया गया जिनकी सोच आज भी पुरूषपरक व रूढ़िवादी प्रधान है ऐसी महिलाओं की सोच में बदलाव व सषक्तिकरण हेतु सकारात्मक वदृश्यमान परिवर्तन करने हेतु महिलाओं को प्रेरित किया गया। महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित समस्त लाभकारी योजनाओं की जानकारी देकर महिलाओं को जागरूक किया गया।

किसी भी नए कोरोना वेरिएंट से भर्ती पर नहीं पड़ेगा असर

मुंबई। देश के महामारी से उबरने के बीच अधिकांश क्षेत्रों के अफसरों और कर्मचारियों (73 प्रतिशत) का मानना है कि कोरोना की किसी नई लहर के कारण भर्ती प्रक्रिया पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। एक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। देश भर में कोरोना के मामलों में जारी गिरावट के बीच 73 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना है कि संक्रमण की किसी नई लहर का सभी क्षेत्रों में भर्ती की प्रक्रिया पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा, जबकि 27 प्रतिशत उत्तरदाता भविष्य के बारे में निश्चित नहीं थे। जीनियस कंसल्टेंट्स द्वारा किये गये सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। यह सर्वेक्षण, बैंकिंग और वित्त, इंजीनियरिंग, शिक्षा, एफएमसीजी, आतिथ्य, मानव संसाधन समाधान, आईटी, आईटीईएस और बीपीओ,

लॉजिस्टिक्स, विनिर्माण, मीडिया, तेल और गैस, और फार्मा सहित विभिन्न क्षेत्रों में 1,468 अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच ऑनलाइन किया गया। इसके अलावा, सर्वेक्षण से पता चला कि 69 प्रतिशत से अधिक उत्तरदाताओं को वायरस के नए वेरिएंट के आने से नौकरी की असुरक्षा की भावना के बढ़ने की आशंका नहीं है। यह पूछे जाने पर कि क्या नए वेरिएंट का डर अधिक हानिकारक हो सकता है, 71 प्रतिशत से अधिक ने कहा कि यह उतना गंभीर नहीं होगा।

राजद से जोर-आजमाइश को तैयार है कांग्रेस

पटना। कांग्रेस ने अगले महीने विधानपरिषद की 24 सीटों के लिए होने वाले चुनाव के सिलसिले में आठ सीटों के लिए उम्मीदवारों की सूची जारी की और अपने पूर्व सहयोगी राजद को संकेत दिया कि वह चुनावी मुकाबले में हथियार नहीं डालने वाली है। कांग्रेस महासचिव मुकुल वासनिक ने पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी की मंजूरी के बाद आठ उम्मीदवारों की सूची जारी की। गांधी के साथ राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद का बेहतर व्यक्तिगत संबंध किसी काम में नहीं आया। इन 24 सीटों के लिए चार अप्रैल को मतदान कराया जायेगा। कांग्रेस जिन सीटों के लिए नाम तय किये हैं उनमें एक पश्चिम चंपारण (मोहम्मद अफाक अहमद) है। कांग्रेस ने 2015 में यह सीट जीती थी, लेकिन उसके विधानपरिषद सदस्य पिछले साल सीएम नीतीश कुमार जनता दल यूनाईटेड (जदयू) में चले गये थे। कांग्रेस के मीडिया प्रभारी राजेश राठौड़ ने कहा, हम समझते हैं कि यह पहली सूची है। अन्य सीटों के लिए और नामों की शीघ्र ही घोषणा किये जाने की संभावना है।

पत्नी से अवैध संबंधों के चलते सागर के किले में कराई थी युवक की हत्या

ललितपुर। सागर के कैंट थाना क्षेत्र में गढ़पहरा किले में हुई ललितपुर निवासी युवक की हत्या मामले का खुलासा पुलिस ने कर दिया है। युवक की हत्या पुरानी रंजिश में की गई थी। हत्या के आरोप में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।जिन्होंने पूछताछ में अपना गुनाह कबूल लिया है। एसपी तरुण नायक ने बताया कि गत एक मार्च को गढ़पहरा किला में ललितपुर निवासी राजू सेन (35) का शव मिला था। पीएम रिपोर्ट में मृतक की गला घोंटकर हत्या की जाना सामने आया। हत्या का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान कुछ सुराग हाथ लगे। सुरागों के आधार पर पुलिस ने टीम ने तफ्तीश शुरू की और संदिग्ध कपिल पुत्र मनमोहन सेन (38) निवासी जाखौरा जिला ललितपुर को हिरासत में लिया। थाने लाकर पूछताछ की गई तो उसने जुर्म स्वीकार लिया।कैंट थाना प्रभारी गौरव तिवारी ने बताया कि आरोपी कपिल सेन निवासी ललितपुर की पत्नी के साथ पूर्व में मृतक राजू सेन के प्रेम संबंध थे। इसी को लेकर उनके बीच रंजिश चल रही थी। पुरानी रंजिश के चलते कपिल ने अपने दोस्त छोटू कुशवाहा निवासी कचनौंदा को 20 हजार रुपए का लालच देकर हत्या करने के लिए तैयार किया। छोटू कुशवाहा का नाम सामने आते ही उसे पकड़ा। थाने लाकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी छोटू कुशवाहा ने बताया कि कपिल सेन ने 20 हजार रुपए देने की बात कही थी। जिसके बाद 27 फरवरी को मृतक राजू सेन को बाइक पर गढ़पहरा मंदिर में दर्शन करने के बहाने सागर लेकर आए। दर्शन करने के बाद किला घूमने गए। जहां पुराने खंडहर किले में ले गए। सुनसान इलाका देख राजू के सिर पर पत्थर से वार किया और गला घोंटकर हत्या कर दी थी। हत्या के बाद आरोपी फरार हो गया था। मामले में पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जाएगा। मृतक राजू सेन निवासी ललितपुर डाक विभाग में भृत्य के पद पर पदस्थ था।

गोवा कांग्रेस के नेताओं ने की राहुल गांधी से मुलाकात

नई दिल्ली। कांग्रेस की गोवा इकाई के कुछ वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात कर राज्य के राजनीतिक हालात और आगे की रणनीति पर चर्चा की। गोवा की सभी 40 विधानसभा सीटों के लिए वोटिंग 14 फरवरी को संपन्न हो चुकी है। 10 मार्च को मतगणना होगी। कांग्रेस के गोवा प्रभारी दिनेश गुंडू राव, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गिरीश चोडानकर और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष दिगंबर कामत ने दिल्ली में राहुल गांधी से मुलाकात की। गोवा विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ पर्यवेक्षक पी चिदंबरम भी इस बैठक में मौजूद थे। बैठक के बाद गुंडूराव ने ट्वीट किया, राहुल गांधी जी ने हम लोगों के साथ गोवा के चुनाव बाद की परिस्थिति के संदर्भ में रणनीति की समीक्षा की। सूत्रों का कहना है कि चुनाव के बाद किसी भी तरह की राजनीतिक परिस्थिति से निपटने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

प्रदेश में पूर्ण बहुमत से बनेगी बीजेपी की सरकार : केशव प्रसाद मौर्य

मुहम्मदबाद गोहना, मऊ। प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि 2022 के चुनाव के बाद समाजवादी पार्टी का नाम बदल कर समाप्त वादी पार्टी हो जाएगा। अखिलेश यादव के कुंडली में अगले 25 सालों तक मुख्यमंत्री का योग नहीं है। प्रदेश की योगी सरकार गरीबों, मजदूरों, मजलूमो, किसानों और नौजवानों की सरकार है।

इस सरकार में गरीबों का जीवन खुशहाल हुआ है। समाजवादी पार्टी के सरकार के कार्यकाल में प्रदेश में गुंडागर्दी, लूट, खराब कानून व्यवस्था, भ्रष्टाचार चरम पर था। प्रदेश की खुशहाली और तरक्की के लिए 2022 में एक बार फिर से भाजपा की सरकार बनाना है। ताकि प्रदेश विकसित प्रदेश के श्रेणी में खड़ा हो सके। श्री मौर्य मुहम्मदाबाद गोहना विधान सभा क्षेत्र की भाजपा प्रत्याशी पूनम सरोज के समर्थन में शनिवार को

कस्बा में आयोजित चुनावी सभा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की पश्चिम से चली आंधी अब सातवें चरण तक तूफान बन गई है। पहले ही चरण से सपा की साइकिल पंचर होकर किनारे लग गई है। उन्होंने कहा कि सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास के नारे के साथ भाजपा सरकार गरीबों का पक्का मकान, शौचालय बनवा रही है। किसानों को प्रति वर्ष 6 हजार की सम्मान निधि दी जा रही है। कहा कि कश्मीर से धारा 370 हटाए जाने के बाद कश्मीर में आतंकवाद

और अलगाववाद की ताकतें समाप्त हो गई है। वहां के लोगों का जीवन खुशहाल हो रहा है। अयोध्या में विशाल मंदिर बन रहा है तो अब काशी विश्वनाथ मन्दिर भी सज गया है। कहा कि कोरोना काल में प्रदेश में अगर भाजपा सरकार नहीं होती तो प्रदेश के हजारों गरीब भूखे मर मर गए होते। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में गरीबों का अधिकार लूटा जा रहा था। भ्रष्टाचार चरम पर होता था। लेकिन केंद्र में मोदी सरकार आने के बाद उन्होंने कसम खाया कि न तो खाउगा और न खाने दूंगा। कहा कि सत्ता से बाहर रहने से समाजवादी पार्टी के लोग पूरी तरह बौखला गए हैं। 2022 के बाद प्रदेश के सभी गुंडे या तो प्रदेश छोड़ देंगे या फिर हमेशा के लिए खत्म हो जाएंगे। कहा कि योगी सरकार में बिजली 24 घंटे बिजली आपूर्ति हुई है जिससे बुनकर, किसान सभी को काफी राहत मिली है।

श्री मौर्य ने भाजपा प्रत्याशी पूनम सरोज को जिताने की अपील किया। प्रत्याशी पूनम सरोज ने अपने समर्थन की अपील करते हुए कहा कि अगर मुझे जीत का आशीर्वाद मिला तो मैं क्षेत्र की जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगी। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष मनोज राय भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीण गुप्ता, डा. उमेश सरोज, अंजनी गुप्ता, पूर्व मंत्री यशवंत सिंह, ब्लाक प्रमुख रानू सिंह, छोटू प्रसाद अखिलेश तिवारी आदि मौजूद रहे।

सकुशल चुनाव संपन्न कराने को लेकर सारी तैयारी पूरी- डीएम

मऊ। जिला अधिकारी अरुण कुमार पुलिस अधीक्षक सुशील घुले ने शनिवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में कहाकि विगत संसदीय चुनाव में 58 प्रतिशत मतदान मऊ जिले में हुआ है लेकिन इस बार मतदान बढ़ाने का काफी प्रयास किया जा रहा है। चुनाव में बाधा डालने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अब तक 25000 लीटर शराब की बरामदगी हुई है। सभी मतदान केंद्रों पर कोविंड गाइडलाइन का पालन किया जाएगा। मऊ जनपद की कुल जनसंख्या 2612439 है और 169993 मतदाता जिसमें पुरुष 904468 और महिला 695438 व अन्य 87 था। मतदान 7 मार्च को सुबह 7 बजे से शुरू होकर 6 बजे शाम तक चलता रहेगा जिले में 913 मतदान केंद्र तथा 1962 मतदान स्थल बनाए गए हैं मतदान है 8633 कर्मचारी लगाए गए हैं तथा चार विधानसभाओं में 45 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन किया है। प्रत्येक विधानसभा में चार पिंक मॉडल मतदान केंद्र बनाए गए हैं तथा चार दिव्यांग बूथ बनाए गए हैं। क्रिटिकल मतदान केंद्र की संख्या 55 है। मतदान को सकुशल संपन्न कराने के लिए 115 सेक्टर मजिस्ट्रेट, जोनल मजिस्ट्रेट 11, स्टैटिक मजिस्ट्रेट 50, माइक्रो ऑब्जर्वर 180, डिजिटल कैमरा 150, वीडियो कैमरा 150 वेबकास्टिंग वाले स्थल 1177 तथा सीआरपीएफ 63 कंपनी, 1 कंपनी 2 प्लाटून पीएससी तैनात की गई है। चुनाव में 599 भारी वाहन तथा 715 हल्के वाहन लगाए गए हैं। पुलिस अधीक्षक सुशील घुले ने कहा कि हर पोलिंग सेंटर पर पहले चरण में सेंट्रल पुलिस, दूसरे चरण में गैर जिलों से आई हुई पुलिस तथा तीसरे चरण में अपने जनपद की पुलिस तैनात होगी। हर थाना क्षेत्र में थानाध्यक्ष के अलावा भारी मात्रा में पुलिस तैनात रहेगी। चुनाव प्रक्रिया को बाधित करने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। चुनाव निष्पक्ष पारदर्शी और बिना किसी दबाव के चुनाव कराया जाएगा। आम जनता से पुलिस अधीक्षक ने अनुरोध किया कि लोकतंत्र के महापर्व में वोट देकर अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि जो लोग गैर जनपदों से आए हुए हैं उन्हें किसी भी स्थिति में रविवार की शाम तक जिला छोड़कर के बाहर जाना पड़ेगा।

सर जडेजा ने जड़े तूफानी 175 रन

भारत ने आठ विकेट पर 574 रन बनाकर घोषित की पहली पारी, श्रीलंका 108/4

मोहाली (एजेंसी)। सर रवींद्र जडेजा (नाबाद 175) के बेहतरीन शतक की बदौलत भारत ने श्रीलंका के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन दूसरे सत्र में आठ विकेट पर 574 रन बनाकर पारी घोषित कर दी।

श्रीलंका ने इसके जवाब में दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपने चार विकेट 108 रन पर खो दिए हैं और उसपर फॉलोआन का खतरा मंडरा रहा है। श्रीलंका अभी भारत के स्कोर से 466 रन पीछे है। जडेजा 45 रन और अश्विन ने 10 रन से आगे खेलना शुरू किया जबकि भारत ने छह विकेट पर 357 रन से अपनी पारी को आगे बढ़ाया। अश्विन 61 रन बनाकर आउट हुए। जयंत यादव दो रन बनाकर पवेलियन लौट गए। लेकिन इसके बाद जडेजा ने मोहम्मद शमी के साथ नौंवें विकेट के लिए 103 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी में शमी ने 34 गेंदों में नाबाद 20 रन बनाए। श्रीलंका ने 48 रन की ओपनिंग साझेदारी के बाद श्रीलंका ने 11 रन के अंतराल में दो विकेट गंवाए। तिरिमाने ने 17, करुणारत्ने ने 28 और मैथ्यूज ने 22 रन बनाए। स्टंप्स के समय चरित असलंका एक रन और पथुम निसंका 26 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए थे। भारत के लिए अश्विन ने दो, बुमराह और जडेजा ने एक- एक विकेट लिए। जडेजा ने इस मैच में अपने टेस्ट करियर का दूसरा शतक लगाया। इस मैच में उन्होंने अपने टेस्ट करियर का सबसे बड़ा स्कोर बनाया। रवींद्र जडेजा ने रोहित के पारी घोषित करने के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि रोहित ने मेरे 200 रन पूरा होने के बाद पारी घोषित किए जाने का संदेश भेजा था, लेकिन मैंने ही उन्हें पारी घोषित करने की सलाह दी।

दूसरे दिन मैच के खास बिंदु

- रवींद्र जडेजा के 175 रन संयुक्त रूप से 7वां सबसे बड़ा स्कोर है। इस मामले में उन्होंने इंग्लैंड के रणजीत सिंह जी की बराबरी की।
- जडेजा सातवें नंबर पर भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने कपिल देव का 36 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा।
- अश्विन - जडेजा ने पहली बार 130 रन की साझेदारी की। इससे पहले 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ 97 रन जोड़े थे।
- आर अश्विन टेस्ट क्रिकेट में अपना 432वां विकेट लेने के साथ सर्वाधिक विकेट लेने वाले दुनिया के 11वें गेंदबाज बन गए। उन्होंने सर्वाधिक विकेट लेने वाली सूची में न्यूजीलैंड के सर रिचर्ड हैडली को पीछे छोड़ा।
- 516 रन मोहाली में यह टीम इंडिया का एक पारी में सर्वाधिक स्कोर है। भारत ने इस पारी के साथ पाकिस्तान के खिलाफ 17 साल पहले बनाए अपने ही रिकॉर्ड को ध्वस्त किया।

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी (357/6 से आगे)	रन	गेंद	4	6
रवींद्र जडेजा नाबाद	175	228	17	3
अश्विन कै. दिकवेला बो. लकमल	61	82	8	0
जयंत यादव कै. थिरिमाने बो. फर्नांडो	2	18	0	0
मोहम्मद शमी नाबाद	20	34	0	0

अतिरिक्त: 28, कुल: 129.2 ओवर में 574/8 पारी घोषित, **विकेट पतन:** 1-52 , 2-80 , 3-170 , 4-175 , 5-228 , 6-332, 7-462 , 8-471 **गेंदबाजी:** सुरंगा लकमल 25-1-90-2, विश्वा फर्नांडो 26-1-135-2, लहिरू कुमारा 10.5-1-52-1, लसिथ एम्बुलदेनिया 46-3-188-2, धनंजय डीसिल्वा 18.2-1-79-1, चरिथ असलंका 3.1- 0-14- 0,

श्रीलंका पहली पारी	रन	गेंद	4	6
दिमुथ करुणाले पगबाधा जडेजा	28	71	5	0
लाहिरू थिरिमाने पगबाधा अश्विन	17	60	1	0
पथुम निसंका नाबाद	26	75	4	0
एंजेलो मैथ्यूल पगबाधा बुमराह	22	39	1	1
धनंजय दी सिल्वा पगबाधा अश्विन	01	08	0	0
चरित असलंका नाबाद	01	12	0	0

अतिरिक्त: 13, कुल: 43 ओवर में चार विकेट पर 108 रन, **विकेट पतन:** 1-48, 2-59, 3-96, 4-103 **गेंदबाजी:** मोहम्मद शमी 7-3-17-0,जसप्रीत बुमराह 9-2-20-1, अश्विन 13-6-21-2, जयंत यादव 5-2-14-0 रवींद्र जडेजा 9-3-30-1,

भारतीय टीम ने कोहली को दिया गार्ड ऑफ ऑनर

अपना 100वां टेस्ट मैच खेल रहे विराट कोहली को दूसरे दिन कप्तान रोहित शर्मा के कहने पर भारतीय खिलाड़ियों ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। भारत द्वारा घोषित करने के बाद विराट समेत सभी भारतीय खिलाड़ी फील्डिंग के लिए मैदान पर उतरे। हालांकि रोहित ने विराट से मैदान से बाहर जाकर फिर से अंदर आने को कहा। विराट ने भी उनकी बात मानते हुए ऐसा ही किया। इसके बाद कप्तान रोहित शर्मा की अगुआई में सभी ने बाउंड्री के पास खड़े होकर विराट के आने पर तालियां बजाई और उन्हें सम्मानित किया। विराट ने भी हाथ लहराते हुए सभी का आभार जताया और फील्ड पर पहुंचे। रोहित की इस पहल और भाव को क्रिकेट फैंस काफी पसंद कर रहे हैं । पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर शेन वॉर्न के निधन पर भारत-श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया-पाकिस्तान के मैच में उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। टीम के खिलाड़ी काली पट्टी बांधकर मैदान में उतरे।

भारत ने डेनमार्क को 4-0 से रौंदा

बोपन्ना व दिविज की जोड़ी की संघर्षपूर्ण जीत

नई दिल्ली । रोहन बोपन्ना और दिविज शरण की जोड़ी की संघर्षपूर्ण जीत और रामकुमार रामनाथन की पहले उलट एकल में शानदार वापसी की बदौलत भारत ने डेनमार्क को यहां दिल्ली जिमखाना क्लब के ग्रास कोर्ट पर खेले गए डेविस कप विश्व ग्रुप-1 के प्लेऑफ मुकाबले में शनिवार को 4-0 से रौंद दिया।

बोपन्ना और शरण की भारतीय जोड़ी ने डेनमार्क की कप्तान फ्रेडरिक नीलसन और माइकल टोरपेगार्ड की जोड़ी को तीन सेटों के कड़े संघर्ष में 6-7(7-3), 6-4, 7-6(7-4)से हराकर भारत को 3-0 की अपराजेय बढ़त दिला दी। इस जीत के बाद पहले उलट एकल में रामकुमार ने जोहानस इंगिल्ड्सन को 5-7, 7-5, 10-7 से पराजित कर भारत को 4-0 से जीत दिला दी। भारत की अजेय बढ़त के बाद पांचवां मैच नहीं खेला गया।विजेता भारतीय टीम इस जीत के बाद 2022 विश्व ग्रुप मुकाबले में रहेगी जबकि डेनमार्क को विश्व ग्रुप 2 मुकाबलों में जाना होगा। रामकुमार रामनाथन और युकी भांबरी ने कल पहले दो एकल मैच जीतकर भारत को 2-0 से आगे किया था। बोपन्ना और शरण को आज युगल मैच जीतने के लिए अपने अनुभव का पूरा इस्तेमाल करना पड़ा। भारतीय जोड़ी ने पहला सेट टाई ब्रेक में गंवाया लेकिन फिर वापसी करते हुए दूसरा सेट 6-4 से जीतकर मैच को निर्णायक सेट में पहुंचा दिया। निर्णायक सेट को बोपन्ना और शरण ने टाई ब्रेक में जीता। भारतीय जोड़ी ने टाई ब्रेक 7-4 से जीतकर मैच को एक घंटे 58 मिनट में समाप्त कर दिया।

एकनाथ और प्रियंका ने पैदल चाल में बनाए राष्ट्रीय रिकॉर्ड

मस्कट। एकनाथ संभाजी तुरंबेकर और प्रियंका गोस्वामी ने विश्व एथलेटिक्स पैदल चाल टीम चैंपियनशिप में पुरुषों और महिलाओं की 35 किमी स्पर्धा में शनिवार को नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड बना दिए।

उन्होंने क्रमशः 27वां और 20वां स्थान हासिल किया। महिला 20 किमी स्पर्धा में भारतीय टीम के कांस्य पदक जीतने के बाद दो राष्ट्रीय रिकॉर्ड प्रयास सकारात्मक माने जा सकते हैं। एकनाथ ने इस दूरी में अपनी दूसरी रेस में उतरते हुए 2:45:17 का समय लिया जबकि प्रियंका ने इस दूरी में अपनी पहली रेस में 3:13:19 का समय लिया। पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड राम बाबू (2:46:31) और रमनदीप कौर (3:15:17) के नाम थे जो उन्होंने सितम्बर 2021 में वारंगल में राष्ट्रीय ओपन चैंपियनशिप में बनाए थे।

तिहरे शतक से चूके मप्र के यश

मप्र ने 585 रन पर घोषित की पारी

राजकोट। यश दुबे केवल 11 रन से तिहरे शतक से चूक गए लेकिन उनकी बड़ी पारी की मदद से मध्य प्रदेश ने केरल के खिलाफ रणजी ट्राफी एलीट ग्रुप ए मैच में अपनी पहली पारी नौ विकेट पर 585 रन बनाकर समाप्त घोषित की।

दुबे ने सुबह 224 रन से अपनी पारी आगे बढ़ायी और 289 रन बनाए। उन्होंने 591 गेंदों का सामना करके 35 चौके और दो छक्के लगाए। केरल की तरफ से मध्य प्रदेश के पूर्व आलराउंडर जलज सक्सेना ने 116 रन देकर छह विकेट लिए। केरल ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में दो विकेट पर 198 रन बनाए हैं और वह मध्य प्रदेश से 387 रन पीछे है। पी राहुल 82 रन बनाकर खेल रहे हैं। उन्होंने रोहन के (75) के साथ पहले विकेट के लिए 129 रन जोड़े। ग्रुप के एक अन्य मैच में गुजरात ने मेघालय को पहली पारी में 166 रन पर आउट करके फॉलोआन के लिए मजबूर किया। गुजरात ने अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 555 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी। मेघालय ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में तीन विकेट पर 224 रन बनाये हैं और उसे पारी की हार से बचने के लिए अब भी 165 रन चाहिए। डी रवि तेजा 133 और कप्तान पुनीत बिष्ट 55 रन बनाकर खेल रहे हैं।

राचेल हेन्स के शतक से जीता ऑस्ट्रेलिया

महिला वर्ल्ड कप: इंग्लैंड को 12 रन से हराया

हैमिल्टन। मैन ऑफ द मैच सलामी बल्लेबाज राचेल हेन्स (130) के शतक तथा कप्तान मैग लैनिंग (86) के अर्धशतक और फिर गेंदबाजों की घातक गेंदबाजी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम ने शनिवार को यहां इंग्लैंड पर 12 रन की जीत के साथ आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2022 की शुरुआत की।

छह बार के विश्व विजेता ऑस्ट्रेलिया ने टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करते हुए राचेल और लैनिंग की शानदार पारियों से 50 ओवर में तीन विकेट पर 310 रन का विशाल स्कोर बनाया। जवाब में गत विजेता इंग्लैंड की टीम नताली साइवर के शतक और टैमी ब्यूमोंट के अर्धशतक के बावजूद 50 ओवर में आठ विकेट पर 298 रन बना पाई और 12 रन से मैच हार गई। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से राचेल ने 130 रन की शतकीय पारी खेली, जबकि कप्तान लैनिंग ने 86 रन बनाए। वहीं बाद में गेंदबाजी में लेग ब्रेक गेंदबाज अलाना किंग ने इंग्लैंड के सर्वाधिक तीन,जोनासेन और ताहलिया ने दो-दो विकेट झटके। इंग्लैंड के लिए नताली ने विस्फोटक अंदाज में खेलते हुए 109 रन की नाबाद शतकीय पारी खेली। उनके अलावा ब्यूमोंट ने 74 और कप्तान हीथ नाइट ने 40 रन बनाए। नताली ने गेंदबाजी में योगदान दिया और ऑस्ट्रेलिया के दो विकेट चटकाए।

द. अफ्रीका ने बांग्लादेश को 32 रन से हराया

महिला विश्व कप 2022 के दूसरे मैच में दक्षिण अफ्रीका ने बांग्लादेश को 32 रन से हरा दिया है। अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 207 रन बनाए थे। इसके जवाब में बांग्लादेश की टीम 49.3 ओवर में 175 रन पर सिमट गई और यह मैच 32 रन से हार गई। दक्षिण अफ्रीका के लिए खाका ने सबसे ज्यादा चार विकेट लिए। 208 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश ने शानदार शुरुआत की और पहले विकेट के पहले विकेट के लिए 69 रन जोड़े। इसके बाद बांग्लादेश की टीम बिखर गई और 85 रन तक पहुंचते-पहुंचते टीम के चार बल्लेबाज पवेलियन लौट चुके थे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इमाम व अजहर ने जड़े शतक

पाकिस्तान ने चार विकेट खोकर 476 रन पर घोषित की पारी

रावलपिंडी। शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों अजहर अली (185) और इमाम उल हक (157) के बेहतरीन शतकों की बदौलत पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट मैच के दूसरे दिन शनिवार को चार विकेट पर 476 रन का मजबूत स्कोर बना कर पारी घोषित कर दी।

ऑस्ट्रेलिया ने पारी की शुरुआत की। उसने पांच रन बने ही थे कि खराब रोशनी के कारण दूसरे दिन के खेल की समाप्ति की घोषणा कर दी गई। पाकिस्तान ने एक विकेट पर 245 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। इमाम और अजहर अली दूसरे विकेट के लिए पहले दिन हुई 140 रन की साझेदारी को 208 तक ले गए और टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचा दिया। दोनों ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को विकेट के लिए तरसा दिया। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस अंततः यह साझेदारी तोड़ने में कामयाब। उन्होंने 313 के स्कोर पर इमाम को पगबाधा आउट कर पवेलियन भेज दिया, हालांकि दूसरे छोर पर अजहर नहीं रुके और स्कोरबोर्ड को चलाते रहे। अजहर ने फिर तीसरे विकेट के लिए कप्तान बाबर आजम के साथ शतकीय साझेदारी की। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 101 रन जोड़े, जिससे टीम 476 रन के मजबूत स्कोर तक पहुंच पाई, हालांकि 414 के स्कोर पर बाबर आउट हो गए और इसके बाद 442 के स्कोर पर अजहर ने अपना विकेट गंवा दिया। अजहर ने 15 चौकों और तीन छक्कों के सहारे 361 गेंदों पर 185, जबकि इमाम ने 16 चौकों और दो छक्कों के दम पर 358 गेंदों पर 157 रन बनाए, जो उनका सर्वश्रेष्ठ टेस्ट स्कोर है। बाबर ने 82 गेंदों पर 36 रन का योगदान दिया।ऑस्ट्रेलिया की ओर से कमिंस, नाथन लियोन और मार्नस लाबुशेन ने एक-एक विकेट लिया। फिलहाल ऑस्ट्रेलिया की ओर से उस्मान ख्वाजा और डेविड वार्नर क्रीज पर हैं। ख्वाजा ने चार गेंदों में पाच रन बनाए हैं, जबकि वार्नर का अभी खाता नहीं खुला है।

अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को हराया

ढाका। सलामी बल्लेबाज हजरतुल्लाह जजई के अर्धशतक की बदौलत अफगानिस्तान ने शनिवार को यहां दूसरे और अंतिम ट्वेंटी20 क्रिकेट मैच में बांग्लादेश को आठ विकेट से हराकर श्रृंखला 1-1 से ड्रॉ करायी। जजई ने नाबाद 59 रन बनाए और दूसरे विकेट के लिए उस्मान गनी (47 रन) के साथ 99 रन की साझेदारी की जिससे अफगानिस्तान ने 14 गेंद रहते जीत हासिल की। दार्विश रसूली (नाबाद नौ रन) ने बायें हाथ के स्पिनर नसुम अहमद पर डीप मिड विकेट पर छक्का जड़कर मैच खत्म किया जिससे अफगानिस्तान ने बांग्लादेश के नौ विकेट पर 115 रन के जवाब में दो विकेट पर 121 रन बनाए। अफगानिस्तान ने पहला मैच 61 रन से गंवा दिया था।

साहा ने धमकी देने वाले पत्रकार की सारी जानकारी बीसीसीआई की समिति को दी

नई दिल्ली। साक्षात्कार नहीं देने पर पत्रकार द्वारा धमकी देने का आरोप लगाने वाले अनुभवी भारतीय विकेटकीपर ऋद्धिमान साहा ने कहा कि उन्होंने बीसीसीआई की जांच कर रही समिति को सारी जानकारी का खुलासा कर दिया है। तीन सदस्यीय समिति ने इस पत्रकार के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए शनिवार को साहा से मुलाकात की। साहा ने यहां समिति के समक्ष प्रस्तुत होने के बाद पत्रकारों से कहा, मुझे जो कुछ पता था, मैंने वो सब समिति को बता दिया है। मैंने उनके साथ सारी जानकारी साझा कर दी है। मैं आपको अभी ज्यादा कुछ नहीं बता सकता। बीसीसीआई ने मुझे बैठक के बारे में बाहर बताने को मना किया है क्योंकि वे ही आपके सभी सवालों के जवाब देंगे। साहा के हाल ही में दिए गए इंटरव्यू के बाद विवाद शुरू हुआ था। इसके बाद उनका एक पत्रकार द्वारा भेजा अपमानजनक वॉट्सऐप मेसेज सार्वजनिक हो गया जिसके बाद यह विवाद और बढ़ गया।

मीडिया इलेवेन और स्मार्ट ड्यूराटेक की जीत

भोपाल। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के आरएनटीयू स्पोर्ट्स क्लब द्वारा मध्य प्रदेश में पहली बार आयोजित ऑल इंडिया ओपन टैगोर टी-10 क्रिकेट टूर्नामेंट 2022 का मैच प्रारंभ करने से पूर्व विश्व के महान लेग स्पिनर शेन वार्न को खिलाड़ियों द्वारा श्रद्धांजलि दी गई। दिन का पहला मैच बिहार राइजिंग स्टार व मीडिया इलेवन के मध्य खेला गया। मीडिया इलेवेन के विवेक के 21 गेंद पर 41 रन, ए आनंद रजक के 6 गेंद पर 17 रन की मदद से 10 ओवर में 126 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बिहार राइजिंग स्टार की पूरी टीम छह विकेट पर 83 रन ही बना सकी। मीडिया इलेवन 43 रनों के विशाल अंतर से मैच जीत लिया। मीडिया इलेवेन के अक्षत बाजपेई को शानदार गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ दी मैच देकर नवाजा गया। वहीं दिन का दूसरा मैच बंगरसिया इलेवेन व स्मार्ट ड्यूराटेक के मध्य खेला गया। बंगरसिया इलेवन ने बल्लेबाज दीपक के 31 गेंद पर नाबाद 50 रन की मदद से 10 ओवर में 105 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने के लिए स्मार्ट ड्यूराटेक के बल्लेबाज वरुण ने 17 गेंद पर नाबाद 43 रन, अभिषेक ने 27 गेंद पर 36 रन रन की मदद से 2 विकेट खोकर 111 रन बनाकर मैच आठ विकेट से जीत लिया। स्मार्ट ड्यूराटेक के वरुण को मैन ऑफ द मैच दिया गया।

निवेदिता और तमन्ना सेमीफाइनल में

अम्मान। भारत की युवा महिला मुक्केबाज निवेदिता और तमन्ना ने आत्मविश्वास भरी जीत के साथ शनिवार को जार्डन की राजधानी अम्मान में जारी 2022 एएसबीसी एशियाई युवा एवं जूनियर मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। उत्तराखंड निवासी निवेदिता ने 48 किग्रा भार वर्ग के क्वॉर्टर फाइनल मुकाबले में जार्डन की बाटोल हुसैन को दोयम साबित किया। निवेदिता ने यह मुकाबला एकतरफा अंदाज में जीता क्योंकि विपक्षी खिलाड़ी को उनके मुक्कों के प्रहार से बचाने के लिए रेफरी वे पहले ही दौर में मुकाबला रोक दिया।दूसरी ओर, तमन्ना ने 50 किग्रा भार वर्ग के अंतिम-8 दौर के मुकाबले में थाईलैंड की पापादा वुत्तिचाई को एकतरफा अंदाज में 5-0 से हराया। अंतिम-4 दौर में जगह पक्की करने के साथ निवेदिता और हरियाणा की तमन्ना ने अपने लिए इस प्रतिष्ठित आयोजन में लगातार दूसरी बार पदक सुरक्षित कर लिया है। टूर्नामेंट के बीते संस्करण में दोनों ने रजत पदक जीता था। जैक्सन सिंह लैशराम, देव प्रताप सिंह, ऋषभ सिंह शिखरवार और गौरव म्हस्के ने अपने-अपने अंतिम-8 मुकाबलों में आरामदायक जीत के साथ जूनियर लड़कों के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

डेविस कप: बोपन्ना-शरण ने भारत को अजेय बढ़त दिलाकर विश्व ग्रुप एक में बनाये रखा

नयी दिल्ली। पांच मार्च रोहन बोपन्ना और दिविज शरण ने तीन मैच प्वाइंट बचाकर शनिवार को यहां डेनमार्क के फ्रेडरिक नीलसन और मिकेल टॉरपेगार्ड की जोड़ी को हराकर भारत को प्लेऑफ मुकाबले में 3-0 से अजेय बढ़त दिलायी और उसका डेविस कप के विश्व ग्रुप एक में स्थान बरकरार रखा। फरवरी 2019 के बाद अपना पहला डेविस कप मुकाबला खेल रहे शरण और बोपन्ना ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए एक घंटे 58 मिनट तक चले मैच में 6-7 (4), 6-4, 7-6 (4) से जीत हासिल की। इन दोनों की संघर्षपूर्ण जीत से यह भी सुनिश्चित हो गया कि भारत 2022 के सत्र में विश्व ग्रुप एक में बना रहेगा जबकि डेनमार्क अब फिर से विश्व ग्रुप दो में चला जाएगा। निर्णायक सेट के 12वें गेम में सर्विस कर रहे शरण को तीन मैच प्वाइंट का सामना करना पड़ा, लेकिन भारतीय टीम ने हौसला बनाये रखा और आखिर में जीत दर्ज की। भारत की नवंबर 2019 में पाकिस्तान को 4-0 से हराने के बाद से यह पहली जीत है। तब रोहित राजपाल ने गैर-खिलाड़ी कप्तान के रूप में पद संभाला था। उसके बाद भारत विदेशो में खेले गये मुकाबलों में फिनलैंड (1-3) और क्रोएशिया (1-3) से हार गया था। बोपन्ना और शरण की जीत से उलट एकल औपचारिक बन गये हैं।

पाक के खिलाफ अभियान की शुरुआत करेंगी भारतीय महिलाएं

पाक को विश्व कप में तीसरी बार हराना चाहेगी भारतीय महिला टीम

माउंट माउंगानुइ । भारतीय महिला क्रिकेट टीम रविवार को यहां माउंट माउंगानुई के बे ओवल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ एक हाई-प्रोफाइल मैच से अपने आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2022 अभियान की शुरुआत करेगी।दोनों टीमों के बीच विश्व कप के मंच पर यह तीसरी भिड़ंत होगी और भारत पाकिस्तान को तीसरी बार हराना चाहेगा।

इससे पहले दोनों टीमें 2009 और 2013 विश्व कप में एक-दूसरे से भिड़ीं थीं, जिसमें भारत ने पाकिस्तान को एकतरफा अंदाज में हराया था। 2009 में जहां भारत 10 विकेट, वहीं 2013 में छह विकेट से जीता था। दोनों ही टीमों ने अभी तक विश्व कप खिताब नहीं जीता है, लेकिन भारत ने 2005 और 2017 के फाइनल में जगह बनाई है। भारत जहां अपना 10वां महिला विश्व कप खेल रहा है। वहीं पाकिस्तान पांचवीं बार इस मंच पर उतरा है। भारत के लिए सबसे बड़ी पॉजिटिव बात उसकी स्मृति मंधाना और हरमनप्रीत कौर की फॉर्म में वापसी है। बाएं हाथ की स्मृति मंधाना ने वेस्ट इंडीज के खिलाफ तूफानी अर्धशतक जड़ा था, जबकि हरमनप्रीत कौर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार शतक लगाया। मिताली राज की अगुवाई वाली भारतीय महिला टीम गेंद के साथ सफलता के लिए अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी पर भी निर्भर होगी, जो महिला वनडे क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं। दूसरी ओर पाकिस्तानी महिला क्रिकेट टीम ने भी मेजबान न्यूजीलैंड और बंगलादेश के खिलाफ अपने दोनों अभ्यास मैच जीते हैं। मध्य क्रम की बल्लेबाज आलिया रियाज पिछले पांच वनडे मैचों में से प्रत्येक में 40 से अधिक रन बनाकर शानदार फॉर्म में दिखी हैं, जिसमें न्यूजीलैंड के खिलाफ अभ्यास मैच में नाबाद 62 रन शामिल हैं। इसके अलावा अनुभवी खिलाड़ी निदा डार और जावेरिया खान, कप्तान बिस्माह महरूफ के साथ भारत के खिलाफ महिला विश्व कप 2022 मैच में पाकिस्तान के लिए बड़ा चेहरा होंगी।

ओवरऑल मुकाबले

दोनों टीमों के बीच ओवरऑल आंकड़े की बात करें तो उन्होंने आपस में 10 वनडे और 11 टी-20 मैच खेले हैं, जिसमें भारत ने 10 में से 10 वनडे और 11 में से नौ टी-20 मैच जीते हैं। छह टी-20 मुकाबले विश्व कप के हैं, जिनमें से भारत ने चार और पाकिस्तान ने दो जीते हैं। भारतीय महिला क्रिकेट टीम बेशक फरवरी में न्यूजीलैंड से अपनी आखिरी वनडे सीरीज 4-1 से हार गई हो, लेकिन उसने विश्व कप से पहले दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने दोनों अभ्यास मैच जीते हैं।

कौमी एकता दल का सपा की कैन्ट प्रत्याशी पूजा यादव को समर्थन, समर्थकों संग जॉइन की सपा

इस बार परिवर्तन की लहर है- अतहर जमाल लारी, सपा महानगर अध्यक्ष ने कहा यह चुनाव लोकतंत्र बचाने का है सभी विधान सभाओ के मतदाताओ से की साईकिल के सामने बटन दबाने की अपील

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के सातवें चरण के प्रचार का शोर शनिवार शाम पांच थम गया इस फेज में 9 जिलों की 54 विधानसभा सीटों पर सोमवार को मतदान होना है,जहां मतदाता 613 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे पिछले चुनाव में बीजेपी ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 75 फीसदी सीटों पर कब्जा जमाया था, लेकिन इस बार सियासी हालात और समीकरण बदल गए हैं`

कौमी एकता दल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व प्रत्याशी रहे अतहर जमाल लारी ने समाजवादी पार्टी की कैन्ट विधानसभा की प्रत्याशी पूजा यादव को 2022 के चुनाव में पूर्ण समर्थन दिया है,सपा प्रमुख अखिलेश यादव से आज वाराणसी प्रवास के दौरान एक होटल मे प्रत्याशी पूजा यादव के साथ मुलाकात हुई सपा सुप्रीमो के समक्ष अतहर जमाल लारी समाजवादी पार्टी मे शामिल हुए अखिलेश यादव ने अतहर जमाल लारी को सभी विधान सभाओ मे सभी प्रत्याशीओ को जिताने का निर्देश दिया अतहर जमाल लारी समाजवादी पार्टी की सदस्यता अपने तमाम कार्यकताओं के साथ ग्रहण की है। पत्रकार वार्ता के पूर्व सपा महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा ने अतहर जमाल लारी को टोपी पहनाकर माल्यार्पण कर समाजवादी पार्टी मे शामिल होने पर बधाई दिया। अतहर जमाल लारी मुलायम सिंह की सरकार में उत्तर प्रदेश के महासचिव रहे हैं,1984 के लोकसभा के सेकेण्ड फाईटर रहे और 2004 में अपना दल से चुनाव लड़ा और पदाधिकारी भी रहे।

सपा की 390 कैन्ट विधानसभा की प्रत्याशी पूजा यादव ने कहा कि इस बार जनता समाजवादी पार्टी को पूर्ण रूप से सहयोग और समर्थन दे रही है। पूजा यादव ने कहा कि जनता 5 सालों से भाजपा की डबल इंजन की सरकार को झेल रही है अब इस बार जनता 07 मार्च को एक इंजन हटाने जा रही है और सपा की सरकार लाने जा रही है।

पूजा यादव ने आगे कहा कि 5

सालों से जनता सिर्फ महंगाई, बेरोजगारी का दंश झेल रही है, ना सड़के सही हैं ना गालियां, जनता खराब और दूषित जल पीने को मजबूर है, भाजपा के विधायक जनता के प्रतिनिधि के तौर पर नही भाजपा के एजेंट के तौर पर कार्य कर रहे हैं और सिर्फ जनता को धर्म के नाम पर गुमराह कर रही है, पूजा यादव ने आगे कहा कि इस बार जनता किसी भी धर्म के जाल में नही फसने वाली है वो सिर्फ और सिर्फ समाजवादी पार्टी को वोट करने जा रही है।

उत्तर प्रदेश के छह चरणों में 349 विधानसभा सीटों पर चुनाव खत्म हो चुके हैं और अब बारी अंतिम चरण की है 7वें फेज में पूर्वांचल के आजमगढ़ से वाराणसी तक के 9 जिलों की 54 विधानसभा सीटों पर 7 मार्च को मतदान होना है, जहां पर 613 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला होना है. यूपी विधानसभा चुनाव के सातवें चरण के चुनाव के लिए चुनाव प्रचार शनिवार शाम 6 बजे थम जाएगा` यूपी में सत्ता के लिहाज से यह सबसे अहम है, जिसके चलते समाजवादी पार्टी ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है`

कौएद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अतहर जमाल लारी ने प्रेस वार्ता में कहा कि मुस्लिम और पिछड़े वोटरों को जोड़ने के लिए आज वो समाजवादी पार्टी का पूर्ण समर्थन करते हैं, उन्होंने अपने आवाम से और जनता से अपील की है कि समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी को जिताये और अपने मताधिकार का प्रयोग कर देश विरोधी सरकार को जड़ से उखाड़ फेंकने का काम करें।

चुनाव दिलचस्प हो उठा है फिलहाल कौएद कार्यकर्ता 07 मार्च के होने वाले मतदान की तैयारी में जुटे हैं। अतहर जमाल लारी ने कहा कि हम आठो विधानसभा को जीतने जा रहे हैं, इस बार परिवर्तन की लहर है।

सपा महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा ने कहा कि पांचवें चरण से लेकर सातवें चरण तक के चुनावों में पूरी राजनीतिक बिसात ही जातीय समीकरणों के आधार पर बिछाई गई है। वह कहते हैं यहां पर धार्मिक ध्रुवीकरण से ज्यादा जातीयता की बिसात पर बिछाई गई चौसर में ही सब खेल होगा।

पत्रकार वार्ता में मुख्य रूप से सपा महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा, कैन्ट विधानसभा की प्रत्याशी पूजा यादव, कौमी एकता दल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व प्रत्याशी रहे अतहर जमाल लारी, महानगर मीडिया प्रभारी संदीप शर्मा , प्रदेश सचिव अल्पसंख्यक सभा हैदर गुड्डू, विश्वकर्मा समाज के जिलाध्यक्ष अभिषेक विश्वकर्मा एवं समाज के अध्यक्ष संजू विश्वकर्मा मौजूद रहे।

डिजिटल पंचायत भवन निर्माण कार्य से ग्रामीणों में खुशी

मधुबन, मऊ। विकासखंड फतेहपुर मण्डाव के रसूलपुर आदमपुर उर्फ रामपुर गांव में स्थित पंचायत भवन वर्षों से जीर्ण शीर्ण अवस्था में पड़ा था जिसे सासन के मंशा का अनुरूप डिजिटल स्वरूप दिया जा रहा है। इस संबंध में ग्राम प्रधान रामलाल राजभर ने बताया की यह पंचायत

भवन नवीन सुविधाओ से लैश होगा जिसमे सीसीटीवी कैमरे, कंप्यूटर की सुविधा रहेगी और गांव के लोगो को घर बैठे खतौनी, आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, बैंकिंग सुविधा प्राथमिकी भी दर्ज करने की सुविधा यहां पर उपलब्ध रहेगी। साथ ही यहां पर लेखपाल, महिला कांस्टेबल और सचिव सहायक एवं बी सी आदि कर्मचारी उपस्थित रहेंगे। जिससे गांव के लोगो को घर बैठे एक ही स्थान से सभी सुविधाओ का लाभ मिल सकेगा इससे पहले गांव के लोग 13/14 किलो मीटर दूरी तय कर के इन सुविधाओ को प्राप्त करते थे जिसे शारीरिक श्रम के साथ साथ पूरे दिन का भी नुकसान होता था। पंचायत भवन के डिजिटल होने से गांव के लोगो में हर्ष व्याप्त है।

योगी के छुट्टा सांडो को पहुंचाएंगे गोरखपुर- ओमप्रकाश राजभर

मुहम्मदाबाद गोहना, मऊ। विधानसभा चुनाव में महागठबंधन की तरफ से शनिवार को कस्बा में चुनावी सभा का आयोजन हुआ। सभा को जिसमें सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर, स्वामी प्रसाद मौर्य, डॉक्टर संजय चैहान, प्रेमचंद प्रजापति ने संबोधित किया। सभी नेताओं ने पार्टी प्रत्याशी राजेन्द्र कुमार की जीत के लिए समर्थन मांगा।

ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि अखिलेश यादव के नेतृत्व में महागठबंधन की सरकार बनेगी तो 6 महीने के अंदर ही जातियों की गणना कराई जाएगी। जातिगत अनुपात के अनुसार सत्ता और नौकरी में भागीदारी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि 2022 में योगी की विदाई तय है। देश का किसान छुट्टा पशुओं से किसान परेशान है। सपा सरकार बनते ही योगी के सांडो को उनके घर गोरखपुर पहुंचा दिया

जाएगा। कहा कि आम आदमी महंगाई से व्यापारी जीएसटी से और नौजवान बेरोजगारी से परेशान है। लोगों के पास दो जून के खाने का इंतजाम करना भारी पड़ा हुआ है। कहा कि अखिलेश के नेतृत्व में बनने वाली सरकार में 11लाख नौजवानों को नौकरी दी जाएगी। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि अब समाजवादी और अंबेडकरवादी विचारधाराएं एक होने का समय आ गया है। बसपा ने अंबेडकर की विचारधारा को भाजपा के पास गिरवी रख दिया है। कहा कि छुट्टा पशुओं ने फसल बर्बाद कर दिया है। भाजपा सरकार गौशाला के नाम पर गौ मां की हत्या कर रही है उन्होंने कहा कि पश्चिम में जयंत चैधरी ने भाजपा को किनारे लगा दिया है तो वही सातवें चरण के अंत तक ओमप्रकाश राजभर संजय चैहान और प्रेमचंद प्रजापति ने भाजपा का सूपड़ा साफ कर दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा 80 और 20 का नारा देकर समाज को बांट रही है। इस चुनाव में भाजपा विधायको की संख्या दहाई से ऊपर नहीं पहुंच पाएगी। श्री मौर्य ने कहा कि योगी का बुलडोजर केवल गरीबों अल्पसंख्यकों और गरीब मजदूरों पर चल रहा है। बेरोजगार नौजवान पर पुलिस की लाठियां चल रही है। संजय चैहान ने भाजपा को झूठी और जुमलेबाज पार्टी बताते हुए लोगों को इससे सावधान रहने की अपील किया। प्रेमचंद प्रजापति ने भी महागठबंधन को सत्ता में आने और अखिलेश के नेतृत्व में प्रदेश में सरकार बनाने का विश्वास व्यक्त किया। सभी नेताओं ने पार्टी प्रत्याशी राजेंद्र कुमार को जिताने की अपील किया। इस दौरान पूर्व मंत्री चंद्रदेव यादव करेली पूर्व जिला अध्यक्ष धर्म प्रकाश यादव आदि उपस्थित रहे।

लक्षण नजर आने पर जांच करायें, टीबी से छुटकारा पायें

मऊ। सीडीओ राम सिंह वर्मा की अध्यक्षता में मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के सभागार में जिला स्तरीय टीबी टास्क फोर्स एवं सक्रिय टीबी खोज अभियान की बैठक शुक्रवार को हुई। सीडीओ ने टीबी कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि जिले में जितने भी टीबी मरीज उपचाराधीन हैं। उन मरीजों को वरिष्ठ अधिकारी गोद लेकर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने और उन्हें टीबी रोग से मुक्त करने में मदद करें। उन्होंने कहा कि आगामी 9 मार्च से 22 मार्च सक्रिय टीबी रोगियों की खोज के लिए जो अभियान चलाया जाना है। उस अभियान में अधिक से अधिक मरीज खोजे जाएं। उन्होंने कहा कि टीबी रोग के बारे में जागरूकता के लिए आवश्यक स्तर पर प्रचार-प्रसार अभियान चलाया जाए। सीडीओ ने कहा कि जो भी प्राइवेट चिकित्सक टीबी रोगियों का इलाज करें इसकी सूचना स्वास्थ्य विभाग को अनिवार्य रूप से दिया जाए, इसमें लापरवाही नहीं होनी चाहिए। सीएमओ डॉ श्याम नारायण दुबे ने बताया कि दिसंबर 2021 तक जिले के सरकारी अस्पतालों में 2,755 मरीज और प्राइवेट चिकित्सकों के यहां 982 मरीज उपचाराधीन रहे हैं। सक्रिय टीबी रोगी खोज अभियान 09 मार्च 2022 से 22 मार्च 2022 तक संचालित होना है। जनपद की 20 प्रतिशत जनसंख्या को प्रशिक्षित स्वास्थ्य कार्यकताओं द्वारा घर-घर जाकर टीबी बीमारी के लक्षण से स्क्रीनिंग एवं सुनिश्चित जांच उपचार के प्रति लोगों को जागरूक करेंगे। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ एसपी अग्रवाल ने बताया कि 09 मार्च से 22 मार्च तक चलने वाले सक्रिय क्षय रोगी खोजी अभियान चलेगा। स्वास्थ्य विभाग की कुल 179 तीन सदस्यीय टीम घर-घर जाकर सर्वे करेगी। 42 सुपरवाइजर एवं जनपद/ब्लॉक स्तरीय अधिकारी पर्यवेक्षण कार्य हेतु लगाए गए हैं। यह अभियान सभी 9 ब्लॉक और शहरी क्षेत्र में संचालित होगा। दो सप्ताह या उससे अधिक समय तक खांसी आना, खांसी के साथ बलगम आना, बलगम में कभी-कभी खून का आना सीने में दर्द होना।

अभाविप द्वारा निकला गया मतदाता जागरूक अभियान

कोपागंज, मऊ। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद पूरे उत्तर प्रदेश में चुनाव के देखते हुए प्रदेश में एक अभियान चला रही है मेरा वोट मेरी आवाज जिसको विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता गांव-गांव, सार्वजनिक स्थान, चैराहा आदि पर जाकर लोगों को जागरूक कर रहे है उसी के नियमित अभाविप कोपागंज के कार्यकता नगर के मुख्य चैराहा, बाजार में जाकर सभी को जागरूक करने का काम किया जिसमे मुख्यरूप से विभाग संगठन मंत्री मनीष राय, जिला संगठन मंत्री अनूप भारत, नगर अध्यक्ष करुणाशंकर तिवारी, प्रांत कार्यकारिणी सदस्य आदित्य पांडेय, जिला मीडिया संयोजक अद्भुत स्वरूप त्रिपाठी, नगर मंत्री राकेश, नगर सहमंत्री प्रियांशु, यशवंत, दीपक, प्रवीण, अरविंद आदि मौजूद रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने वेबकास्टिंग व्यवस्था का किया निरीक्षण

मऊ। विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 के दृष्टिगत जनपद मऊ में 60 प्रतिशत बूथो पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई है, जिसके सजीव प्रसारण हेतु जनपद के कलेक्ट्रेट परिसर स्थित सभागार में विधानसभा वार एलईडी के माध्यम से मानिटरिंग की व्यवस्था की गई है। जनपद के चारों तहसील मुख्यालयों पर भी वेबकास्टिंग के सजीव प्रसारण की व्यवस्था की गई है। कलेक्ट्रेट परिसर के सभागार में स्थित वेबकास्टिंग व्यवस्था का शनिवार को जिला निर्वाचन अधिकारी अरुण कुमार द्वारा निरीक्षण किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने समस्त रिटर्निंग ऑफिसर को निर्देशित किया कि विधानसभा वार वेबकास्टिंग हेतु चयनित अपने-अपने बूथों का आज शाम तक अवश्य निरीक्षण कर ले। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने वेबकास्टिंग वाले बूथों का विधानसभा वार सजीव प्रसारण देखा, साथ ही चुनाव आयोग द्वारा नामित कार्यदायी संस्था को निर्देश दिया कि बूथों पर सीसीटीवी कैमरा ऐसी जगहों पर लगे हो जहां से मतदान की गोपनीयता भंग ना हो।

कलेक्ट्रेट सभागार में ही स्थित जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेटों के अलावा रिजर्व ईवीएम हेतु वाहनों के जीपीएस लोकेशन के विधानसभा वार सजीव प्रसारण की व्यवस्था का भी निरीक्षण जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने एआरटीओ को निर्देश दिए कि सभी जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेटों एवं रिजर्व ईवीएम के वाहनों को जीपीएस से अवश्य जोड़ दें, ताकि विधानसभा वार उनके लोकेशन के स्थिति पर लगातार नजर रखी जा सके। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विधानसभा वार अब तक कुल वाहनों की उपलब्धता के बारे में भी जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी भानु प्रताप सिंह, प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टर हर्षिता तिवारी, एआरटीओ कहकसा खातून, समस्त रिटर्निंग ऑफिसर उपस्थित रहे।

स्ट्रांग रूम को सुरक्षित जोन बनाने का डीएम ने दिया निर्देश

मऊ। विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 के तैयारियों के संबंध में आज जिला निर्वाचन अधिकारी अरुण कुमार ने नवीन उप मंडी स्थित मतगणना स्थल एवं स्ट्रांग रुमो मे हो रही तैयारियों का निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने मतगणना कार्मिकों के बैठने की व्यवस्था एवं उनके अंदर-बाहर आने-जाने वाले रास्तों का निरीक्षण किया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी मतगणना हालो में अन्दर एवं बाहर आने-जाने के अलग-अलग रास्ते बनाने के निर्देश दिए। साथ ही एजेंटो के लिए निर्धारित गलियारो में भी आने-जाने के लिए अलग-अलग रास्ते बनाने के निर्देश दिए, आने एवं जाने के रास्तों पर सुरक्षा बलों की तैनाती के लिए भी जिलाधिकारी ने निर्देश दिए। वीवी पैट में पड़े मतो की गणना हेतु काउंटर को पूर्णरूप से सुरक्षित रुप देने के निर्देश दिए ताकि मतगणना के दौरान मत

पर्चियां सुरक्षित रहे हैं। मतगणना स्थल पर प्रत्याशियों के एजेंटों के लिए बनाए गए गलियारे की बाहरी हिस्से को मजबूत जालियों से घेराबंदी कराने के भी जिलाधिकारी ने निर्देश दिए। उन्होंने वहां पर ईवीएम रखने के लिए बनाए स्ट्रांग रूमों का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने मतगणना स्थल से अलग स्ट्रांग रूम को सुरक्षित जोन बनाने के भी निर्देश दिए। मतगणना स्थल एवं स्ट्रांग रुमो के लिए चल रही तैयारियों को देखकर जिला निर्वाचन अधिकारी संतुष्ट दिखे। साथ ही सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य यथाशीघ्र पूर्ण कर लें। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी भानु प्रताप सिंह, नगर मजिस्ट्रेट त्रिभुवन, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी, प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टर हर्षिता तिवारी, समस्त रिटर्निंग ऑफिसर्स सहित अन्य सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मऊ में मुख्तार के बेटे अब्बास पर आयोग सख्त, निगरानी में अफसर

मऊ। मऊ सदर विधानसभा सीट के प्रत्याशी एवं बाहुबली विधायक मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी पर चुनाव आयोग ने शिकंजा कस दिया है इनके रथ को लखनऊ निर्वाचन आयोग ने रोक दिया है आदेश दिया है कि अगले 24 घंटे तक अब्बास अंसारी जनता के बीच चुनाव प्रचार प्रसार के लिए नहीं जा सकेंगे इनकी निगरानी के लिए उप जिलाधिकारी एवं सदर निर्वाचन अधिकारी ने एक टीम गठित करके वीडियो और इंस्पेक्टर को निर्देश दिए हैं कि इनकी गतिविधियों पर नजर रखी जाए साथी चुनाव आयोग के आदेशों का अक्षर सा अनुपालन कराया जाए। गौरतलब है कि 2 दिन पूर्व समाजवादी पार्टी और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी गठबंधन के प्रत्याशी एवं बाहुबली विधायक मुख्तार अंसारी के पुत्र अब्बास अंसारी ने एक अमर्यादित बयान प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ दिए थे अमर्यादित बयान का वीडियो वायरल होने पर भारत

आगामी 24 घंटे तक जनता के बीच नहीं जाएंगे मुख्तार के बेटे अब्बास अंसारी

पाबंदी के लिए निगरानी करेंगे खंड विकास अधिकारी और इंस्पेक्टर की टीम

निर्वाचन आयोग एवं लखनऊ निर्वाचन आयोग ने संज्ञान लिया तदोपरांत जिला निर्वाचन अधिकारी से रिपोर्ट तलब किया मामले में उप जिला अधिकारी एवं निर्वाचन अधिकारी सदर महू ने भी रिपोर्ट तलब करके कार्रवाई कर दिया और अपनी संस्तुति लखनऊ मुख्यालय को भेज दिया तदोपरांत भारत निर्वाचन आयोग एवं लखनऊ निर्वाचन आयोग ने सपा भासपा गठबंधन के प्रत्याशी अब्बास अंसारी के प्रचार प्रसार भ्रमण एवं जनसभाओं पर तत्काल प्रभाव से 24 घंटे के लिए रोक लगा दिया साथ ही निर्देश दिए कि जिले के आला अफसर एवं निर्वाचन अधिकारी आदेशों का अक्षर से पालन करें मामले में उप जिलाधिकारी सदर एवं निर्वाचन अधिकारी ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए वीडियो एवं इंस्पेक्टर समेत भारी संख्या में पुलिस बल की टीम बनाकर उनकी गतिविधियों पर पाबंदी लगाने के लिए रवाना कर दिया इस कार्रवाई से शहरी इलाके में खलबली मची हुई है।

संक्षिप्त खबरें

समसंग मोबाइल के नए मॉडल समसंग गैलेक्सी एस22 अल्ट्रा की प्री-लॉन्च सेरेमनी हुई संपन्न

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। कैंटोनमेंट स्थित एक होटल में शनिवार को समसंग मोबाइल डिस्ट्रीब्यूटर एसडी ट्रेडलिंक प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा दिनांक 11/03 /22 को लॉन्च होने वाले समसंग मोबाइल के नए मॉडल समसंग गैलेक्सी एस22 अल्ट्रा की प्री-लॉन्च सेरेमनी हुई। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वाराणसी जिले में से चौदह स्पेशल ग्राहक कंपनी द्वारा चयनीत करके समसंग गेलेक्सी एस22 अल्ट्रा के साथ गैलेक्सी Budds- 2 उपहार के तौर पर प्रदान किया गया। इस प्री-लॉन्च सेरेमनी को SD Tradelink Private Limited के डायरेक्टर श्री सुयश अग्रवाल व शुभम अग्रवाल ने होस्ट किया साथ ही कम्पनी के ZSM श्री नितिन शिवहरे और एबीएम श्री अभिनव शर्मा,श्री इंफोटेक के एमडी श्री हरीशदास लोड़ एवं अन्य गढ़मान्य मौजूद रहे।

आदर्श मां गायत्री स्कूल मारूफपुर का प्रबंधक महीनों से बांट रहा था चुनावी दारू, ग्रामीणों की शिकायत पर पकड़ाई कई पेटी शराब

प्रखर चंदौली। मारूफपुर पुलिस चौकी से चंद कदम दूरी पर स्थित आदर्श मां गायत्री स्कूल का प्रबंधक दुर्गेश पांडेय महीनों से एक प्रत्याशी का दारू बांट रहा था और मारूफपुर चौकी की पुलिस इससे अंजान बनी रही। आज दिनांक : 06 मार्च, 2022 को जब कुछ ग्रामीणों से उसे रंगे हाथ चुनावी दारू बांटते पकड़ा तो वह भागने लगा, इस पर मारूफपुर पुलिस चौकी इंचार्ज को सूचना दी तो वह मौके पर पहुंचे। विद्यालय का ताला खुलवाने पर उसमें से दर्जनों पेटी शराब बरामद हुई। चौकी इंचार्ज मामले में मुकदमा लिखने की बजाय हिला हवाली कर रहे हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में चला विशेष अभियान, दुकानों की हुई जांच

प्रखर पिंडरा वाराणसी। मतदान तिथि के पूर्व संध्या पर ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। फूलपुर व सिंधोरा पुलिस द्वारा विभिन्न बाजारो के साथ जनपद सीमा पर बने चेकिंग पॉइंट पर सभी चार पहिया व संदिग्ध लोगों की रोक कर जांच की गई। इस दौरान कई जगह जांच को लेकर किच किच भी हुई। जांच के चलते जौनपुर वाराणसी जनपद सीमा पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। वही क्षेत्र में गश्त के दौरान प्रचार करते कई पार्टियों के कार्यकर्ता मिले। जिसपर पुलिसकर्मियों ने उनके झंडा बैनर उतरवाकर चेतावनी देते हुए वापस लौटाया। वही सायंकाल में शराब के बंद दुकानों की जांच की गई। इस बाबत इंस्पेक्टर मुन्नाराम ने बताया कि क्षेत्र सरकारी देशी शराब की दुकानदारों को सख्त निर्देश दिए गए हैं। शिकायत मिलने पर कार्यवाही होगी।

मारपीट में मां-बेटे समेत पांच घायल

बलरामपुर (आजमगढ़)। गंभीरपुर थाना क्षेत्र के मुडहर कुटिया गांव में शुक्रवार की शाम गन्ना की खोइया हटाने की विवाद में दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। एक पक्ष के मां-बेटे समेत पांच लोग घायल हो गए। स्वजन आनन-फानन में सभी को मोहम्मदपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराए। आपात सेवा के डाक्टर ने घायलों जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। मुडहर कुटिया बस्ती गांव की कलावती 55 पत्नी राजमन विपक्षी पर खोइया हटाने को लेकर मारपीट का आरोप लगाते हुए कहा कि आरोपितों से पुरानी रंजिश चल रही है। वे लोग कल शाम को अपना गन्ना पेरने के बाद उसकी खोइया हमारे दरवाजे पर रख दिए। हम लोगों को बाहर आने जाने में परेशानी हुइ तो खोइया हटाने के लिए कह दिया। विपक्षियों को यह बात इस कदर नागवार गुजरी कि अपशब्द कहने लगे।

चौथे दिन भी रैली के माध्यम से मतदाताओं को किया जागरूक

अंबारी (आजमगढ़)। फूलपुर तहसील क्षेत्र के अनवार पब्लिक स्कूल के बच्चों एवं शिक्षकों ने लगातार चौथे दिन शनिवार को भी मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में शामिल बच्चे और शिक्षकों ने पूरे तहसील क्षेत्र का भ्रमण किया। बुधवार को एसडीएम फूलपुर ज्ञानचंद गुप्ता एवं सीओ फूलपुर गोपाल स्वरूप वाजपेयी ने हरी झंडी दिखाकर रैली के रवाना किया। रैली के माध्यम से बच्चे मतदाताओं को जागरूक कर रहे थे। रैली स्कूल ने निकलकर गोधना बाजार, मैगना, पवई सहित कई गांवों और बाजारों में पहुंची। रैली में बच्चे वोट फार यूपी, छोड़कर सब काम-काज सबसे पहले करें मतदान, जागो मतदाता जागो, जाति पर न धर्म पर बटन दबेगी कर्म पर आदि नारे लगाते हुए चल रहे थे।

लोकतंत्र की बढ़ायें शान सात मार्च को करें मतदान

चिरैयाकोट, मऊ। नगर पंचायत और राष्ट्रीय इंटर कालेज ने संयुक्त रूप से सात मार्च को होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर मतदाताओं को जागरूक करने के लिए तथा अधिक से अधिक मतदान करने के लिए जागरूकता रैली निकालकर किया गया। तथा सभी नगर वासियों से मतदान करने के लिए अपील किया गया। उसी के साथ सभी लोगों से यह भी अपील किया गया कि आप सभी लोग निर्भिक होकर मतदान करें। इसी क्रम में शनिवार को राष्ट्रीय इंटर कॉलेज के छात्र छात्राओं के साथ ही नगर पंचायत के कर्मचारियों ने भी मतदाताओं को जागरूक करने के लिए यह नारा लगाते हुए। सब काम बदं करो, पहले मतदान करों, सब काम छोड़ दें, सबसे पहले वोट दे, के साथ ही मतदाताओं को जागरूक किया और साथ ही सभी मतदाताओं से अपील करते हुए यह भी कहा कि आप सभी लोग सात मार्च को पहले बूथों पर पहुंचकर पहले मतदान करें, फिर जलपान करें। इसी के साथ नगर के मुख्य मार्ग से होते हुए खरिहानी तिराहा से लेकर मुहम्मदाबाद गोहाना रोड से होते हुए पुनः राष्ट्रीय इंटर कॉलेज पर पहुंचकर रैली का समापन किया गया है।

यूक्रेन से वतन लौटी गरिमा पांडेय, परिवार का छलका आँसू

ऑपरेशन गंगा के तहत रिस्क्यु कराए जाने पर सरकार को दिया क्रेडिट, खेतासराय से लेकर शाहापुर तक ढोल नगाड़ों के साथ किया स्वागत

प्रखर खेतासराय (जौनपुर)। यूक्रेन में रशियन की तरफ से जारी हमले के बीच 11 वे दिन जौनपुर की खेतासराय इलाके की बेटी गरिमा पांडेय की शनिवार की देर रात्रि अपने घर आ गई है। ऑपरेशन गंगा के तहत रिस्क्यु कराई गई भारत सरकार के प्रयास को स्वजनों ने सराहा।वाराणसी एयरपोर्ट से खेतासराय पहुँची बच्ची का इलाके के लोगों ने ढोल ताशे के साथ भव्य स्वागत किया। वतन वापसी पर घर पर रिश्तेदारों के आने का क्रम जारी है। क्षेत्र के शाहापुर गांव निवासी गजेंद्र पांडेय की 25 वर्षीय पुत्री यूक्रेन के डेनिप्रो यूनिवर्सिटी में फोर्थ ईयर्स की छात्रा है, वह 2018 से हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रही है। बीते 24 फरवरी को कैपिटल कीव,खारक्यू में जबर्दस्त अटैक से यूक्रेन की हालत बेहद खराब हो गई। पिता ने 35000 हजार यूक्रेन भेज दिया,तीन मार्च को सरकार ने ज्यादातर एयरपोर्ट बन्द कर दिए जिस से परिवार की चिंता और बढ़ गई थी, लगातार हमले से बनकर और हॉस्टल में छात्र पनाह लिए। एंबेसी की एडवाईजरी पर बुधवार को देर शाम 21 छात्रों की टोली के साथ गरिमा रोमानिया बॉर्डर पहुँची,शेल्टर होम से तीसरे दिन शुक्रवार एयरलिफ़्ट कर दिल्ली लाया गया। गरिमा के अनुसार करीब दो सौ छात्र शनिवार की प्रातः भारतीय समयानुसार दिल्ली पहुँची। उनके साथ यूपी के लखनऊ, बहराइच और आगरा के छात्र शामिल थे। बेटी को नजरों से देख पिता गजेंद्र पांडेय और माँ रंजना पांडेय के आँखों मे खुशी के आँसू साफ दिखाई दिया।हर पल प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया।

गरिमा पांडेय ने दो टूक कहा, यूक्रेन में हमें कोई मदद प्रोवाइड नही की गई- खेतासराय (जौनपुर)। ऑपरेशन गंगा के तहत यूक्रेन में फंसे छात्रों को रिस्क्यु कराने की केंद्र सरकार की कोशिश के बीच वतन लौटी गरिमा ने मीडिया से दो टूक कहा कि हमे वहाँ अकेला छोड़ दिया गया,हमलोगों ने खुद गाड़ी करके रूमानिया बोर्डर तक पहुँचे।देश का झण्डा ही सहारा बना।किसी तरह की कोई मदद प्रोवाइड नही की गई।केन्द्र सरकार का प्रोटोकॉल हमे बॉर्डर पहुँचने के बाद ही मिला।हम अपने कैरियर को लेकर चिंतित है, पीएम पर भरोसा है वह वहाँ फंसे सभी छात्रों की रिस्क्यु कराएंगे।रोमानिया के लोगों ने शेल्टर में इंडियन छात्रों का भरपूर ख्याल रखा गया।

मुहम्मदाबाद गोहना में सपा-सुभासपा गठबंधन का पलड़ा दिख रहा है भारी

मऊ। जैसे-जैसे चुनाव की तिथि नजदीक नजर आती जा रही है, वैसे-वैसे जनपद के विभिन्न क्षेत्रों की चुनावी तस्वीर साफ होती जा रही है। वैसे तो जनपद में विधानसभा की कुल चार सीटें हैं। जनपद की एकमात्र आरक्षित सीट मुहम्मदाबाद गोहना की बात की जायें तो यहां पर भाजपा की पूनम सरोज, सपा-सुभासपा गठबंधन से राजेन्द्र कुमार, बहुजन समाज पार्टी से धर्म सिंह गौतम, इण्डियन नेशनल कांग्रेस से बनवारी राम और आम आदमी पार्टी से अंकित कुमार राव प्रमुख प्रत्याशी है लेकिन यहां पर मुख्य लड़ाई भाजपा की पूनम सरोज और सपा-सुभासपा गठबंधन के प्रत्याशी राजेन्द्र कुमार के बीच होती दिख रही है। 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के श्रीराम सोनकर को 73493 मत तथा राजेन्द्र कुमार को 72955 मत मिला था। इस चुनाव में राजेन्द्र कुमार मात्र 538 मतो से चुनाव हार गये थे। ज्ञात हो कि उस समय राजेन्द्र कुमार बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी थे। जबकि राजेन्द्र कुमार इस बार सपा-सुभासपा गठबंधन के प्रत्याशी है और इनके साथ यादव, मुस्लिम, राजभर, दलितों के अलावें भाजपा शासन से त्रस्त लगभग हर वर्ग का अपार समर्थन मिलता दिख रहा है और इनका पलड़ा बहुत ही भारी दिख रहा है। जबकि अन्य दलों में काफी आपसी मतभेद देखने को मिल रहा है। इस बार मुहम्मदाबाद गोहना की जनता काफी सतर्क और सजग दिख रही है और किसी भी हालत में अपने मतों को खराब करना नहीं चाहती है। क्षेत्र की जनता चाहती है कि इस क्षेत्र से ऐसे प्रत्याशी को चुनाव जिताया जाये जो बनने वाली नयी सरकार का हिस्सा बने। राजनैतिक गलियारों में यह भी चर्चा है कि यदि सपा की सरकार बनती है तो राजेन्द्र कुमार मंत्रिमंडल में भी शामिल हो सकते है।

तीन लोगों को शराब और पैसा बांटते हुए पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। विधानसभा चुनाव मतदान के एक दिन पहले शनिवार की रात जमानिया कोतवाली क्षेत्र के बुद्धीपुर कस्बा बाजार में मतदाताओं को लुभाने के लिए भाजपा नेताओं द्वारा शराब और रुपया बाटा जा रहा था। लेकिन पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से शराब, नकदी, पार्टी का स्टीकर के साथ कार बरामद किया गया। विधानसभा चुनाव को सकुशल और निष्पक्ष संपन्न कराने के लिए पुलिस अधीक्षक रामबदन सिंह के निर्देशन में जिला पुलिस एलर्ट मोड पर है। वह अपने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूरी तरह से मुस्तैद है। इसी क्रम में रात में जमानिया कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सम्पूणार्नंद राय हमराहियों के साथ में भ्रमणशील थे। इसी दौरान करीब 11 बजे क्षेत्र के बुद्धीपुर कस्बा मुहल्ला स्थित शाह जी के कुआं से तीन लोगों को

शराब और पैसा बांटते हुए गिरफ्तार कर लिया। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगो में क्षेत्र के चौधरी मुहल्ला निवासी अनिल गुप्ता जो कि (मण्डल अध्यक्ष भाजपा जमानिया) है और बुद्धीपुर निवासी नितेश निगम तथा धनौता निवासी रोहित कुमार थे। पुलिस ने बताया कि यह लोग आदर्श आचार संहिता का उलंघन करते हुए चुनाव प्रचार-प्रसार प्रतिबंधित होने के पश्चात मतदाताओं को अपने पार्टी के पक्ष में वोट डालने के लिए शराब व रुपया बाट रहे थे। इसके पास से 4 पेटी बंद व एक पेटी खुली हुई 38 पाउच प्रत्येक पेटी में 45 पाउच कुल 218 पाउच ब्लू लाईम देशी शराब व एक पारदर्शी डिब्बे में साठ हजार सात सौ रुपया नगद, भाजपा चुनाव चिन्ह के चार पत्ते में कुल चालीस स्टीकर व एक कार बरामद की गई। अभियुक्तों का संबंधित धाराओं में चालान कर दिया गया। गिरफ्तारी करने वाले टीम में कोतवाल के साथ उपनिरीक्षक कृपेंद्र प्रताप सिंह, हेड कांस्टेबल बालेंद्र कुमार, कांस्टेबल क्रांति सिंह पटेल शामिल रहे।

बिजली के तार के चपेट में आने से युवक की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

प्रखर गंभीरपुर /आजमगढ़। गंभीरपुर थाना क्षेत्र के रानीपुर रजमों(पाहिलेपुर)गांव निवासी 25 वर्षीय युवक बिजली कर्मचारी को बिजली पकड़ लेने से मौत हो गई मौत की खबर सुनकर घर में कोहराम मच गया मृतक पाच भाई बहनों में दूसरे नंबर का था। मिली जानकारी के अनुसार गंभीरपुर थाना अंतर्गत रानीपुर रजमो गांव निवासी श्याम जीत प्रजापति पुत्र फौजदार प्रजापति उम्र लगभग 25 वर्ष बिजली विभाग में विद्युत उप केंद्र में मोहम्मदपुर में संविदा कर्मी था आज सुबह लगभग 10:00 बजे अपने घर में बिजली का कोई काम करते समय बिजली पकड़ लिया जो घर में गिरा पड़ा था माता पिता

खेत में काम करने चले गए थे आसपास के बच्चों ने देखा तो शोर मचाया गांव पड़ोस के लोगो ने युवक को बिंद्रा बाजार एक निजी चिकित्सालय ले गए जहां डॉक्टर ने हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया परिजनों ने आनन-फानन में आजमगढ़ स्थित एक निजी हॉस्पिटल मे ले गए जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया मृतक पांच भाई बहनों में दूसरे नंबर का था जो अविवाहित है मौत की सूचना पातें घर में कोहराम मच गया। बेटे की शव देखते ही माता चंद्रकला बेसुध होकर गिर गयी पिता फौजदार वह भाई बहनों का रो रो बुरा हाल सूचना पाकर थाना गंभीरपुर पुलिस मौके पर पहुंच शव कब्जे में लेते पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

108 एंबुलेंस में गर्भवती ने जना बच्चा, मां और बच्चा स्वस्थ

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। स्वास्थ विभाग के द्वारा आम जन के लिए निशुल्क उपलब्ध कराई गई 102 और 108 एंबुलेंस लगातार लोगों के जीवन के लिए हितकारी साबित हो रहा है। एंबुलेंस के माध्यम से जहां लोगों की जान बचाई जा रही है वही अब एंबुलेंस में कार्यरत ईएमटी और पायलट के सूझबूझ से गर्भवती का दर्द बढ़ जाने पर रास्ते में ही उसका प्रसव कराकर पास के स्वास्थ्य केंद्र में एडमिट कराने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। कुछ इसी तरह का मामला शनिवार को 108 एंबुलेंस में हुआ, जिसमें ईएमटी की तत्परता से सकुशल प्रसव कराकर पास के स्वास्थ्य केंद्र पर जच्चा और बच्चा को एडमिट कराया गया। 108 एंबुलेंस के जिला प्रभारी मो. फरीद ने बताया कि जिले में आमजन के लिए निशुल्क रूप से 102 और 108 एंबुलेंस उपलब्ध कराई गई है। शनिवार को दोपहर लगभग 2:30 बजे मनिहारी ब्लॉक के बरईपारा गांव से फोन आया जिसके पश्चात 102 एंबुलेंस तत्काल मौके पर उपलब्ध नहीं होने के चलते 108 एंबुलेंस मौके पर भेजा गया। तत्पश्चात पायलट के द्वारा गर्भवती को मनिहारी ब्लॉक के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर ले जाया जा रहा था। लेकिन रास्ते में ही गर्भवती का दर्द बढ़ जाने के कारण ईएमटी वकील चंद और पायलट राधेश्याम के सहयोग से एंबुलेंस के अंदर ही प्रसव कराया गया। उन्होंने बताया कि गर्भवती मम्मी यादव को प्रसव के पश्चात एंबुलेंस के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनिहारी पर एडमिट कराया गया। जहां पर जच्चा और बच्चा दोनों स्वस्थ बताए जा रहे हैं। गर्भवती के प्रसव पीड़ा बढ़ने पर एंबुलेंस के अंदर प्रसव कराने के पश्चात स्वास्थ्य केंद्र में दोनों को सुरक्षित एडमिट कराने पर परिवार के लोगों ने भी खुशी जताई। मौजूदा समय में जनपद में 108 एंबुलेंस की संख्या 37 और 102 एंबुलेंस की संख्या 42 है। 108 एंबुलेंस आपातकालीन सेवा और 102 एंबुलेंस बच्चों व महिलाओं के लिए आरक्षित है। जनपद में पिछले एक माह में 108 एंबुलेंस के द्वारा 3800 और 102 एंबुलेंस के द्वारा 8800 मरीजों को सेवा दी जा चुकी है।

होली को सकुशल संपन्न कराए जाने हेतु होलिका रखने वालों तथा ग्राम के संभ्रात व्यक्तियों की गोष्ठी

गोंडा। प्रभारी निरीक्षक खरगूपुर तथा थाने पर उपस्थित अधिकारी /कर्मचारीगण की मौजूदगी में होली त्यौहार के सम्बंध में गोष्ठी की गई गोष्ठी में उपस्थित सभी होलिका रखने वालों तथा ग्राम के सम्भ्रांत व्यक्तियों से अनुरोध किया गया कि आगामी त्यौहार होली के दृष्टिगत शासन द्वारा निर्गत दिशा निदेर्शों के अनुरूप त्यौहार मनाए। तथा त्यौहार सकुशल सम्पन्न कराए जाने हेतु सभी से उनकी राय प्राप्त कर त्यौहार में आने वाली समस्याओं के विषय में चर्चा कर जुलूस निकलने वाले स्थानों रास्तों में पड़ने वाले मंदिर मस्जिद के विषय में चर्चा की गई एवं त्योहार के सकुशल संपन्न कराने हेतु सभी से सहयोग की अपेक्षा की गई । जिसके संबंध में सभी द्वारा सहमति व्यक्त की गई ।

कोटेदार के खिलाफ ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन, सरकारी राशन को बेचने का कोटेदार पर लगाया आरोप

प्रखर संतकबीरनगर। सांथा ब्लाक अंतर्गत ग्राम पंचायत अगियौना के ग्रामीणों ने कोटेदार के खिलाफ प्रदर्शन कर बताया कि कोटेदार द्वारा अंगूठा लगवा लिया गया है,परन्तु राशन नहीं दिया जा रहा है। सरकार भले ही राशन वितरण प्रणाली में पारिदर्शिता लाने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है ।लेकिन सरकारी कोटे की दुकानो में भ्रष्टाचार कम नहीं हो रहा है। ग्रामीणों ने जब इसकी शिकायत ग्राम प्रधान परशुराम चौरसिया से कि तो उन्होंने तत्काल कोटेदार से इस संबंध में बात की लेकिन कोटेदार ग्राम प्रधान की बात सुनने से साफ मना कर दिया। एक दिन जब कोटेदार ठेले पर लाद कर सरकारी गल्ले को बेचने के लिए दुकान पर गया तो ग्रामीणों ने उसे वही पकड़ लिया।वही सरकारी राशन खरीदने वाले दुकानदार को भी ग्राम प्रधान एवं ग्रामीणों ने पकड़ लिया है। ग्राम प्रधान परशुराम चौधरी ने जब कोटेदार से बात की तो उन्होंने गाली गुप्ता देना शुरू कर दिया। ग्रामीणों से लेकर ग्राम प्रधान को भी कोटेदार ने गाली गुप्ता दिया तथा देख लेने की धमकी भी दी।गांव में दुकान के संचालक के द्वारा कार्ड धारकों से अंगूठा तो लगवा लिया जा रहा हैं।

लेकिन उन्हें राशन नहीं मिल पा रहा है। ग्राम पंचायत अगियौना के ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर इसकी शिकायत जब एसडीएम से की तो एसडीएम ने मामले को संज्ञान में लेकर हल्का लेखपाल को जांच के लिए भेजा । लेकिन गांव में पहुंचने पर कोटेदार घर पर नहीं मिला। जिससे नाराज होकर दर्जनों ग्रामीणों ने प्रदर्शन करते हुए शासन से राशन को दिलाने की मांग की। इस संबंध में जब सप्लाई इंस्पेक्टर राजीव गुप्ता से बात हुई तो उन्होंने बताया कि चुनाव में व्यस्तता थी कल परसों में जांच कर विधिक कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान कैलाश, अब्दुल सत्तार, मुंशी, जगरनाथ, सुखदेव, शिवकुमार, सुमित्रा देवी, सोनी, सुनीता कुमारी,निर्मला, सुमित्रा, गुड़िया माधुरी, सरोजा, वाहिद अली, उर्मिला, रामकिशोर, प्रह्लाद, राममिलन आदि लोग मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिनेश चन्द्र शर्मा ने कहा- संघ के पदाधिकारियों को शिक्षक हितों के प्रति समर्पित रहना होगा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सनत कुमार सिंह जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ वाराणसी ने बताया वाराणसी आगमन पर लाखों शिक्षकों के रहनुमा प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिनेश चन्द्र शर्मा ने शिक्षक संघ के पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि जात-पात भेदभाव की भावना से हटकर शिक्षक हितों के लिए सभी को समर्पित रहना होगा। डॉ दिनेश चन्द्र शर्मा ने कहा कि शिक्षक का राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है पूरी तन्मयता लगन और ईमानदारी से शिक्षक कार्य करता है जिससे समाज में भी शिक्षक का एक ऊंचा स्थान है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ विशाल संगठन है जिससे शिक्षकों के हितों की जिम्मेदारी भी संघ के पदाधिकारियों पर सबसे अधिक है। शिक्षकों के हितों के लिए संघ के पदाधिकारियों को सदैव सजग रहना जरूरी है। वाराणसी आगमन पर प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिनेश चन्द्र शर्मा व प्रदेश कोषाध्यक्ष शिवशंकर पाण्डेय,प्रदेश वरिष्ठउपाध्यक्ष राधे रमण त्रिपाठी का वाराणसी के पदाधिकारियों जिला वरिष्ठउपाध्यक्ष सनत कुमार सिंह, जिला मंत्री कैलाशनाथ यादव,जिला कोषाध्यक्ष कौशल सिंह सहित संजय सिंह,ज्योतिभूषण त्रिपाठी, श्याम नारायण सिंह, अनूप सिंह, राजेश सिंह,सान्तेश्वर मिश्र, मनोज कुमार, डॉ सिद्धनाथ पाण्डेय,वेद प्रकाश सिंह, ललित कुमार सिंह,विश्वास पाण्डेय,विजय लाल गुप्ता,नीरज मिश्र,राज कुमार, शैलेंद्र सहाय, पार्थेश्वर पाण्डेय,शैलेंद्र पाण्डेय, सन्तोष राय,प्रशान्त सिंह,विवेक सिंह,रीना सिंह, पुष्पा देवी, चन्द्रावती शर्मा,रेखा बत्रा,आदि द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

रामराज ने देवालय में टेका मत्था मांगा, आशीर्वाद

प्रखर जखनियां गाजीपुर। मतदान के एक दिन पूर्व तमाम प्रत्याशी जहां मुर्गा शराब नगदी की गणित बैठाने में लगे रहते हैं। वहीं भाजपा प्रत्याशी रामराज वनवासी क्षेत्र स्थित सिद्धपीठ भुड़कुड़ा मठ समाधि दर्शन व सिद्धपीठ हथियाराम मठ स्थित बुढ़िया माई दर्शन के साथ ही लोगों से आशीर्वाद मांगते नजर। जखनिया विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी रामराज बनवासी के सरल स्वभाव का कायल लगभग समूचा विधानसभा क्षेत्र हो चुका है। पक्ष हो या विपक्ष लेकिन रामराज बनवासी इस सरलता के चर्चा लोगों में बनी रहती है। ऐसे में उन्होंने मतदान के एक दिन पूर्व अपनी कार्यशैली से लोगों का मन मोह लिया। गौरतलब होगी रामराज बनवासी द्वारा रविवार को दिनभर क्षेत्र में घूम-घूम मंदिरों में पूजन अर्चन के साथ ही लोगों से आशीर्वाद मांगते नजर आए। इस संबंध में क्षेत्र के लोगों द्वारा चर्चा की जाती रही कि एक तरफ जहां चुनाव के पूर्व प्रत्याशियों द्वारा मुर्गा शराब के साथ ही नगदी इत्यादि बांटने का प्रचलन चलता है। वहीं भाजपा प्रत्याशी द्वारा केवल लोगों से आशीर्वाद की कामना, उनके सरल स्वभाव का परिचायक है।

संक्षिप्त खबरें

जिला निर्वाचन अधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा मतगणना स्थल व ईवीएम /वीवीपैट, स्ट्रांगरुम का किया निरीक्षण

प्रखर संत कबीर नगर। जिला निर्वाचन अधिकारी / जिला मजिस्ट्रेट दिव्या मित्तल व पुलिस अधीक्षक डॉ0 कौस्तुभ द्वारा पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 हेतु बनाये गये मतगणना स्थल हीरालाल राम निवास पी0जी0 कॉलेज में विधानसभावार रखे गये ईवीएम/वीवीपैट, स्ट्रांगरुम का निरीक्षण किया गया। इस दौरान स्ट्रांग रूम की त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया व सुरक्षा के दृष्टिगत सभी महत्वपूर्ण प्वाइंटो, सीसीटीवी कैमरा आदि को चेक किया गया तथा मुआयना रजिस्टर लिखा गया । सुरक्षा व्यवस्था में लगे कर्मियों को निर्देशित किया गया कि आसपास किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर सतर्क दृष्टि रखी जाय तथा ईवीएम की सुरक्षा पूरी सतर्कता से किया जाय। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी । अधिकारीद्वय द्वारा ईवीएम / वीवीपैट,स्ट्रांगरुम की सुरक्षा व्यवस्था पर संतोष प्रकट किया गया । इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद अंशुमान मिश्र सहित अन्य पुलिस / प्रशासनिक अधिकारी आदि उपस्थित रहे ।

प्रदेश अध्यक्ष का वाराणसी में आगमन

प्रखर चिरईगाव वाराणसी। उत्तर प्रदेशिय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिनेशचंद्र शर्मा, , कोषाध्यक्ष श्री शिवशंकर पाण्डेय व वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री राधेरमण त्रिपाठी का वाराणसी पहुचने पर उत्तरप्रदेशिय प्राथमिक शिक्षक संघ चिरईगांव वाराणसी के ब्लॉक अध्यक्ष ज्योति भूषण त्रिपाठी के नेतृत्व में शानदार स्वागत आशापुर चौराहे पर कल रात्रि 8 बजे किया गया। आशापुर पहुचने पर डॉ शर्मा का स्वागत फूल माला व बुके देकर किया गया। प्रदेश अध्यक्ष जी ने अपने सूक्ष्म संबोधन में शत प्रतिशत मतदान के लिए हम सभी को प्रेरित किया।स्वागत करने वालों में ब्लॉक अध्यक्ष ज्योति भूषण त्रिपाठी ब्लाक मंत्री शैलेन्द्र पाण्डेय, कोषाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पार्थेश्वर पाण्डेय, संयुक्त मंत्री राजेश कुमार यादव,उपाध्यक्ष श्रीमती रंजना मिश्रा, देवेन्द्र सिंह कार्य समिति संयोजक वैष्णव प्रकाश पाण्डेय, सतीशचंद्र गौतम, देवेन्द्र कुमार पांडेय, लेखाकार सुधीर कुमार सिंह, आय व्यय निरीक्षक घनश्याम भारती, संगठन मंत्री विनोद श्रीवास्तव, सच्चिदानंद सिंह, ,सुनील कुमार तिवारी, प्रचार मंत्री पीयूष मालवीय, दिलीप कुमार, सतीश कुमार, पूर्व कोषाध्यक्ष श्री गोविन्द प्रसाद यादव,अभिषेक सिंह, सुभाष पाण्डेय, प्रेमब्रत, राजेश कुमार पांडेय, त्रिभुवन गिरी, प्रमोद पाण्डेय, इंद्रजीत सिंह, अम्बरीष सिंह, विकास सिंह,संजय कुमार मिश्रा ,संजय कुमार यादव, रामेन्द्र सिंह, ब्रह्मानन्द राय, अनूप जी, जितेन्द्र कुमार, श्रीकांत तिवारी, पवन पाल,अभिषेक सिंह, कमलेश शर्मा,इत्यादि लोग उपस्थित थे। रात्रि 8 बजे इतनी बड़ी संख्या में जिन भाइयों अपनी उपस्थिति से इस कार्यक्रम को सफल बनाया उन्हें दिल से धन्यवाद। उत्तरप्रदेशिय प्राथमिक शिक्षक संघ चिरईगांव की उपाध्यक्ष श्रीमती रंजना मिश्रा जी ने धन्यवाद किया।

रोहनिया विधानसभा के प्रत्याशी के ऊपर रवि ने लगाया आरोप

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। रोहनिया थाना क्षेत्र अमरा खैराचक निवासी विजय कुमार वर्मा व पत्नी राजमनी देवी की ओर से पराड़कर स्मृति भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में आरोप लगाते हुए बताया कि रोहनिया विधान सभा से समाजवादी पार्टी व अपनादल कमेरावादी पार्टी गठबन्धन के संयुक्त उम्मीदवार अभय पटेल उनके भाई संजय

पटेल (डब्लू) जो भूमाफिया है इन लोगो ने मिल कर मेरी सास जो पढ़ी लिखी नही है उनसे धोखे से साढ़े सोलह बिगहा जमीन बिना एक पैसा दिये हड़प लिया, पति पत्नी ने यह भी सीधा आरोप लगाया की जो हमारी बची खुची जमीन है उस पर भी अभय पटेल व उसका भाई संजय पटेल की नजर है वही इन दोनो ने धमकी देते हुए कहा है की चुनाव जीतने के बाद पुलिस प्रशासन मेरी मुठठी मे होगा और आसानी से पूरी जमीन कब्जा कर लेगा,इस संदर्भ में दोनो भाईयों के खिलाफ स्पेशल सीजेएम वाराणसी के न्यायालय मे विचाराधीन है।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोड: 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालय: 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोड: 233001
सम्पर्क सूत्र: 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं